सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके विचारों का समूह होता है, जो वह सोचता है, वैसा वह बन जाता है...

वर्ष 01, अंक 156, नई दिल्ली

शनिवार, 19 अगस्त 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

पीएम ई -बस सेवा : किस शहर में चलाई जाएंगी ई-बसें

45,000 से अधिक मिलेंगे इससे रोजगार के अवसर

संजय बाटला, संपादक

नई दिल्ली। देश में ई-ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा दिया जा रहा है। जहां एक तरफ पेट्रोल-डीजल के झंझट से मुक्ति के लिए लोग तेजी से इलेक्ट्रिक गाड़ियों की ओर रुख कर रहे हैं वहीं इसकी वजह से पर्यावरण संरक्षण में लाभ हो रहा है।

इसी क्रम में केंद्र सरकार ने अब पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने और आम आदमी को राहत देने के लिए पीएम-ई-बस सेवा शुरू करने का फैसला लिया है।

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर सिटी बस संचालन के विस्तार के लिए एक बस योजना रुपीएम-ई बस सेवाद्द को मंजूरी दे दी है, जिसके माध्यम से 10,000 ई-बसें चलाई जाएंगी।

आइए जानते हैं कहां चलेगी पीएम ई-बस सेवा और कितनी बसें चलाई जाएंगी।

पीएम-ई बस सेवा के तहत 10,000 ई-बसें चलाई जाएंगी। इस योजना की अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपये होगी, जिसमें से 20,000 करोड़ रुपये का समर्थन केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। यह योजना 10 वर्षों तक बस संचालन का समर्थन करेगी।

इन शहरों में चलाई जाएंगी ई-बसें

यह योजना 2011 की जनगणना के अनुसार तीन लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहरों को कवर करेगी, जिसमें केंद्र शासित प्रदेशों, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और पर्वतीय राज्यों की सभी राजधानी शामिल हैं। इस योजना के तहत उन शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां कोई सुव्यवस्थित बस सेवा उपलब्ध नहीं है।

रोजगार होगा सृजन

केंद्र सरकार के मुताबिक इस योजना के तहत, सिटी बस संचालन में लगभग 10,000 बसें चलाई जाएंगी, जिससे 45,000 से 55,000 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। इसके अलावा योजना के तहत, राज्य अथवा नगर इन बस सेवाओं के संचालन और बस ऑपरेटरों को भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होंगे। केंद्र सरकार प्रस्तावित योजना में निर्दिष्ट सीमा तक सब्सिडी प्रदान करके इन बस संचालन का समर्थन करेगी। योजना के दो भाग में बांटा गया है पहले भाग में 169 शहरों में सिटी बस सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। जबकि दूसरे भाग में 181 शहरों में ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल की जाएगी।

169 शहरों में सिटी बस सेवाओं का विस्तार

इसके तहत स्वीकृत बस योजना के माध्यम से सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर 10,000 ई-बसों के साथ सिटी बस संचालन का विस्तार किया जाएगा। इससे जुड़ी बुनियादी संरचना से डिपो इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास/उन्नयन के लिए सहायता मिलेगी और ई-बसों के लिए बिहाइंड द मीटर विद्युत इन्फ्रास्ट्रक्चर (सबस्टेशन, आदि) का निर्माण संभव होगा।

181 शहरों में ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल

इस योजना में बस की प्राथमिकता, बुनियादी सुविधा, मल्टी मॉडल इंटरचेंज सुविधाएं, एनसीएमसी-आधारित स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली, चार्जिंग के लिए

बुनियादी सुविधाएं आदि जैसी हरित पहल की परिकल्पना की गई है।

ई-मोबिलिटी को बढ़ावा

यह योजना ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देगी और बिहाइंड द मीटर इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पूर्ण सहायता प्रदान करेगी।

शहरों को ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल के तहत चार्जिंग सुविधाओं के विकास के लिए भी समर्थन दिया जाएगा।

बस की प्राथमिकता वाले बुनियादी सुविधाओं के समर्थन से न केवल अत्याधुनिक, ऊर्जा कुशल इलेक्ट्रिक बसों के प्रसार में तेजी आएगी, बल्कि ई-मोबिलिटी क्षेत्र में नवाचार के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सशक्त आपूर्ति श्रृंखला के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस योजना में ई-बसों का समूह तैयार करने को लेकर इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए व्यापक तौर पर अर्थव्यवस्था को भी अनुकूल बनाने की जरूरत होगी।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपनाने से ध्वनि और वायु प्रदूषण कम होगा और कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगेगा।

ई-बस-आधारित सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी बढ़ने के कारण जो बदलाव आएगा, उससे ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में कमी आएगी।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष
दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Font Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-
- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में घुसी बाइक, मां-बेटे की मौके पर मौत

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में प्रतिबंध के बाद भी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर प्रतिबंधित वाहन दौड़ रहे हैं। सूचना के अनुसार दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को सुबह एक बाइक ट्रक में घुस गई। इस सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और उनकी मां की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद से चालक फरार है। ट्रक के नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद में प्रतिबंध के बाद भी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर प्रतिबंधित वाहन दौड़ रहे हैं। सूचना के अनुसार, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को सुबह एक बाइक ट्रक में घुस गई। इस सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और उनकी मां की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रक के नंबर के आधार पर शुरू की चालक की तलाश

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मां-बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद से ट्रक चालक फरार है। ट्रक के नंबर के आधार पर चालक की तलाश की जा रही है।

फेज-चार का 40 फीसदी निर्माण कार्य पूरा, डीएमआरसी ने बढ़ाई काम की रफ्तार, 2026 तक हो जाएगा तैयार

परिवहन विशेष न्यूज

मेट्रो फेज-चार में निर्माणाधीन तीन कॉरिडोर का अब तक 40 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया है। इन कॉरिडोर पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने निर्माण कार्य की गति बढ़ाई है।

नई दिल्ली। मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। मेट्रो फेज-चार में निर्माणाधीन तीन कॉरिडोर का अब तक 40 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया है। इन कॉरिडोर पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने निर्माण कार्य की गति बढ़ाई है। इनमें सबसे पहले जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर जल्द बनकर तैयार होने की संभावना है। इसमें मजलिस पार्क से मुकरबा चौक तक चार किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रूट का कार्य पूरा हो गया है। यहां पर अब मेट्रो की पटरियां बिछाने व बिजली से संबंधित कार्य चल रहा है। खास बात यह है कि तीनों कॉरिडोर पर मेट्रो चालक के बिना (ड्राइवरलेस) दौड़ेगी। बता दें कि इन तीन कॉरिडोर में अभी पूरा कार्य होने पर लगभग तीन वर्ष लगेंगे। ऐसे में वर्ष 2026 तक फेज- चार के कॉरिडोर तैयार हो पाएंगे।

इन तीन कॉरिडोर की कुल लंबाई 65.10 किलोमीटर होगी। इसका 38.01 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड और 27.08 किलोमीटर हिस्सा भूमिगत होगा। तीनों कॉरिडोर पर 45 स्टेशन बनाए जाने हैं। इनमें मजलिस पाक-मौजपुर कॉरिडोर 12.55 किलोमीटर, जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर 28.92 किलोमीटर व तुगलकाबाद-एरोसिटी

कॉरिडोर 23.62 किलोमीटर है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) का कहना है कि जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर में नवनिर्मित एलिवेटेड पर मेट्रो की पटरियां व ओवर हेड इक्विपमेंट (ओएचई) लगाने का कार्य सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। इससे जल्द ही यहां कार्य किया जाएगा। हैदरपुर बादली मोड़ से केशोपुर के बीच एलिवेटेड कॉरिडोर का काम भी तेज गति से चल रहा है। इस कॉरिडोर में जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर पर 15 एलिवेटेड व सात भूमिगत मेट्रो स्टेशन होंगे।

पेड़ हटाने की स्वीकृति मिलने में हुई थी देरी, कोरोना से भी कार्य प्रभावित

फेज-चार में सबसे पहले जनकपुरी-आरके आश्रम मेट्रो लाइन के एलिवेटेड कॉरिडोर का ही निर्माण शुरू हुआ था। पेड़ हटाने की स्वीकृति मिलने में देरी से भी निर्माण में देरी हुई थी। वहीं, वर्ष 2020 में कोरोना संक्रमण शुरू होने पर निर्माण कार्य प्रभावित हुआ था। इसके चलते इसमें थोड़ा विलंब हुआ था। अब निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए मेट्रो प्रबंधन कार्य कर रहा है।

विस्तार के बाद पिंक लाइन पर मौजपुर-मजलिस पार्क के बीच मेट्रो चलने लगेगी

मेट्रो के मुताबिक, मजलिस पार्क-मौजपुर के बीच पिंक लाइन पर आठ स्टेशन तैयार किए जा रहे हैं। पिंक लाइन के विस्तार के बाद पिंक लाइन पर मौजपुर-मजलिस पार्क के बीच मेट्रो चलने लगेगी। इसके बाद पिंक लाइन पर तैयार होने वाले मेट्रो रिंग कॉरिडोर की लंबाई 70 किलोमीटर हो जाएगी। फिलहाल पिंक लाइन पर करीब 59 किलोमीटर में मेट्रो का संचालन हो रहा है।

286 स्टेशन हैं कुल

दिल्ली मेट्रो के 391 किलोमीटर के नेटवर्क में कुल 286 स्टेशन (नोएडा-ग्रेटर नोएडा कॉरिडोर और रैपिड मेट्रो, गुरुग्राम के साथ) हैं।

रिठाला टू नरेला मैट्रो शिलान्यास दिसंबर में: पुरी

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। रिठाला -बवाना-नरेला मैट्रो रूट संघर्ष समिति का संघर्ष आखिर रंग लाया और कामयाबी मिल ही गयी। केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने गुरुवार को समिति के संयोजक हेमराज बंसल ,और समन्वय समिति प्रमुख राजेंद्र सिंहल के नेतृत्व में 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के समक्ष मंत्री हरदीप पुरी ने अपने नई दिल्ली स्थित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग कार्यालय में घोषणा की कि वह दिसंबर-2023 में खुद नरेला में मैट्रोलाइन का शिलान्यास करेगें। नरेला चेतना मंच के अध्यक्ष मनोज बंसल ने बताया कि आश्वासन और घोषणा के बावजूद हमारा संघर्ष जारी रहेगा। इसकी वजह पूर्व में मिले आश्वासन और झूठे वायदों को बताया। लेकिन इस बार वह पूरी तरह से मंत्री हरदीप पुरी से संतुष्ट दिखाई दिए। उन्होंने आगे कहा कि यह विषय अब लाखों क्षेत्रवासियों के लिए सम्मान-परतिष्ठा का बन गया है।

Rithala-Bawana-Narela Metro

उन्होंने बताया कि मंत्री पुरी ने हमारे सामने ही संबधित अधिकारियों से फोन पर बात की। और बताया कि जाइये आपका काम हो गया है। इलाके में मिठाई बांटो। अध्यक्ष मनोज बंसल के मुताबिक केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने यहां तक कह डाला कि डीडीए ने 1100 करोड रूपये दे दिए हैं । अगर दिल्ली सरकार ने अपने हिस्से के 1100 सौ करोड नहीं दिए तो यह राशि भी केंद्र सरकार दे देगी। मगर दिसंबर -2023 को शिलान्यास तय है। उन्होने बताया कि अगस्त माह के अंत तक इस मैट्रोलाइन प्रोजेक्ट की डीपीआर- (डीएमआरसी)दिल्ली मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा पेश कर दी जाएगी। इसके बाद यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट ईएफसी महकमें में बजट वितरण के लिए भेज दी जाएगी। तत्पश्चात यह पूरी प्रोजेक्ट रिपोर्ट केंद्रीय मंत्री मंडल की मीटिंग में रखी जाएगी।

मंत्री मंडल से अनुमोदित होने के बाद ही रिठाला -बवाना-नरेला मैट्रोलाइन का इसी साल दिसंबर महीने के अंत तक शिलान्यास कर दिया जाएगा। इस संघर्ष के काफिले में शामिल संस्थाओं के प्रतिनिधियों में संयोजक हेमराज बंसल, गौशाला- गौसेवक राजेंद्र सिंहल,नरेला विकास संगठन के चेयरमैन हाजी अब्बास अली, ,बहावल पुर पंचायत संघ के अध्यक्ष नोतन दास अरोडा, व्यापार मंडल नरेला के प्रधान स.राजेंद्र सिंह पदम,फेडरेशन आफ नरेला सब्सिडी के अध्यक्ष जोगिंदर दहिया,नरेला चेतना मंच के अध्यक्ष मनोज बंसल, नरेला विकास संगठन के वाइस प्रेसीडेंट रजनीश गुप्ता, सोशल वर्कर प्रदीप मंगल समेत अन्य प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोग भी मौजूद थे। अध्यक्ष मनोज बंसल ने क्षेत्र के एक-एक निवासी समेत मीडिया का भी संघर्ष में साथ देने के लिए आभार जताया।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

निर्मला सीतारमण

बड़ा दिलचस्प रहा सफर..... कुछ ऐसे बनीं देश की वित्त मंत्री

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आज 64वां जन्मदिन मना रही है। वह रक्षा मंत्री के भी पद पर काम कर चुकी है। जब भी निर्मला सीतारमण बजट पेश करती हैं तो संसद के साथ पूरे देश की निगाह उनपर रहती है। हम कह सकते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था के विकास में उनका योगदान बहुत अहम है।

निर्मला सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। आज निर्मला सीतारमण का 64वां जन्मदिन है। वह देश के वित्त मंत्री के पद पर कार्यरत है। इस से पहले वह एनडीए सरकार में रक्षा मंत्री के पद पर काम कर रही थी। आज निर्मला सीतारमण की वजह देश की हर नारी खुद पर गर्व करती है।

आइए, निर्मला सीतारमण के जन्मदिन पर उनकी जीवन, करियर और शिक्षा के बारे में जानते हैं।

निर्मला सीतारमण का जीवन परिचय

निर्मला सीतारमण तमिलनाडु के मदुरै जिले में पैदा हुई है। इनके पिता का नाम नारायण सीतारमण और माता सावित्री देवी है। निर्मला सीतारमण की शादी पढ़ाई के दौरान ही हो गई थी। उन्होंने लव मैरिज की है। शादी के बाद वह लंदन शिफ्ट हो गई थी। 1991 में निर्मला सीतारमण पति के साथ भारत वापस लौट आई थी। इसके बाद वह हैदराबाद में ही बस गई।

निर्मला सीतारमण करियर

निर्मला बचपन से ही पढ़ाई में होशियार थी। उन्होंने तिरुचिरापल्ली के सीतालक्ष्मी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है। ग्रेजुएशन के बाद वह जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से इकोनॉमी में पोस्ट-ग्रेजुएशन किया। इनके पास एमफिल की डिग्री भी है। निर्मला सीतारमण ने अपना करियर प्राइस टपर हाउस कूपर से शुरू किया है। वह वहां सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर कार्यरत थी। इसके बाद वह बीबीसी वर्ल्ड सर्विस में भी काम कर चुकी है। वह हैदराबाद के प्रणव स्कूल के संस्थापकों में भी शामिल हुई थी। इसी के साथ वह नेशनल कमीशन आफ वीमेन की मेंबर बनी थी।

निर्मला सीतारमण का राजनीतिक करियर

निर्मला सीतारमण को हमेशा से राजनीति में रूचि थी। उन्होंने वर्ष 2000 में भारतीय जनता पार्टी के आंध्र प्रदेश यूनिट के प्रवक्ता बनी। वहीं, 2006 में उन्होंने भाजपा की पार्टी ज्वाइन कर लिया था। कुछ सालों के बात उनके पति भी भाजपा में शामिल हो गए थे। वह 2010 में पार्टी की प्रवक्ता बनी थी।

निर्मला सीतारमण की अचीवमेंट

साल 2014 के चुनाव में निर्मला सीतारमण का काफी योगदान रहा है। वह 2016 में मिनिस्टर ऑफ स्टेट के पद को संभाला। इसके बाद वह एनडीए सरकार के समय वह रक्षा मंत्री बन गई। इसके बाद 2019 में उनको वित्त मंत्री के पद मिला। आपको बता दें कि निर्मला सीतारमण भारत की दूसरी रक्षा मंत्री है। देश की पहली महिला रक्षा मंत्री इंदिरा गांधी हैं।

निर्मला सीतारमण के फैसले

वित्त मंत्री ने बैंकों के मर्जर को लेकर बड़ा फैसला किया है। उन्होंने ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का पंजाब नेशनल बैंक में मर्ज किया है। इसी तरह कई और बैंकों के मर्जर का भी फैसला लिया है। इसके अलावा उन्होंने 20 लाख करोड़ रुपये के आत्मानिर्भर भारत पैकेज (Aatmanirbhar Bharat package) का भी एलान किया है। इस साल बजट में इन्होंने महिला के लिए महिला सेविंग सर्टिफिकेट स्कीम भी शुरू किया है। निर्मला सीतारमण ने टैक्स स्लैब में भी बदलाव जैसे कई बड़े फैसले लिए हैं।

> निर्मला बचपन से ही पढ़ाई में होशियार थी। उन्होंने तिरुचिरापल्ली के सीतालक्ष्मी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है। ग्रेजुएशन के बाद वह जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से इकोनॉमी में पोस्ट-ग्रेजुएशन किया।

"देश, धर्म के लिए लड़ो या चूड़ियां पहन लो"

जानिए वीरांगना रानी अवंती बाई की शौर्य गाथा

देश की स्वाधीनता के मार्ग को कई वीर-वीरांगनाओं ने अपने रक्त की अंतिम बूंद तक समर्पित करके सींचा है. लेकिन इन बलिदानों में वो नाम चुनिंदा ही रहे है जिनके साथ इतिहासकारों ने न्याय किया और उन्हें यथोचित सम्मान दिया है. इसके बावजूद इतिहास के पन्नों में कई नाम ऐसे दिखाई पड़ते है, जिन्हें लेकर जनमानस में दूर-दूर तक कोई जानकारी नहीं है, उन्हें लेकर सम्मान तो दूर कोई उनके नाम और कार्यों से भी परिचित नहीं है. भारत के स्वर्णिम इतिहास को इस दरिद्रता से उभारकर इन गुमनाम वीर क्रांतिकारियों को उनके संघर्षों और सर्वोच्च बलिदान के सर्वोच्च सम्मान दिलाना हम सबकी जिम्मेदारी है.

वीरांगना रानी अवंती बाई का 16 अगस्त को जयंती दिवस है, जिनके जीवन के कमसुने पहलुओं से आपको रुबरु करा रहे हैं. यह बात उन दिनों की है जब देश के कुछ क्षेत्रों में क्रांति का शुभारम्भ हो चुका था और पूरे महाकौशल क्षेत्र में स्वाधीनता को लेकर क्रांतिकारियों की हलचलें बढ़ गईं थी.

इस बीच मध्यप्रदेश के रेवांचल क्षेत्र में रामगढ़ की रानी अवंती बाई, गढ़ पुरवा के राजा शंकरशाह और राजकुमार रघुनाथ शाह के नेतृत्व क्रांति को लेकर कई गुप्त सभाएं आयोजित की जा रही थी, जिसकी रणनीतिक रुप से सारी जिम्मेदारी रानी अवंती बाई पर थी. इन गुप्त सभाओं में एक पत्र के साथ चूड़ियों को अलग-अलग रियासतों के राजाओं जागीरदारों तक भेजा जाता था. पत्र पर संदेश होता था कि - ₹अंग्रेजों से संघर्ष के लिए तैयार रहो या चूड़ियां पहनकर घर में बैठो.₹ आत्म स्वाभिमान को झकझोर देने वाले इस प्रयास में पत्र जहां एकता के लिए प्रेरित करता प्रतीत होता तो वहीं चूड़ियां पुरुषार्थ जागृत करने का सशक्त माध्यम बनी. नतीजन पूरे रेवांचल में सन 1857 की क्रांति की ज्वाला धधक उठी .

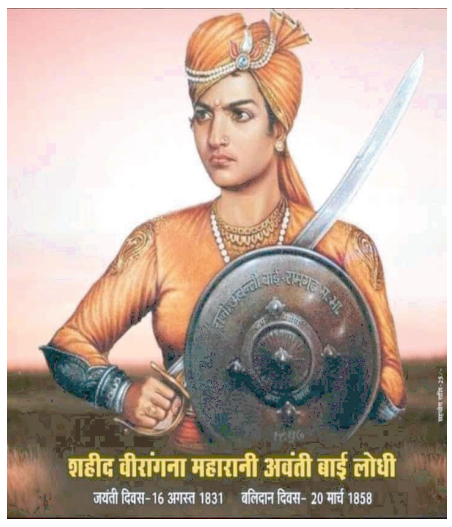

बचपन से ही करती थी तलवारबाजी और घुड़सवारी करना

रानी अवंती बाई की जीवन यात्रा के बारे में आपको बताएं तो मध्यप्रदेश में 16 अगस्त 1831 को मनकेहणी,जिला सिवनी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां इस वीर बालिका का जन्म हुआ, जुझार सिंह लोधी राजपूत समुदाय के शासक थे. रानी अवंती बाई ने अपने बचपन से ही तलवारबाजी, घुड़सवारी इत्यादि कलाएं सीख ली थी. बाल्यकाल से ही वीर व साहसी इस वीरांगना की जैसे-जैसे आयु बढ़ती गई उनकी वीरता और शौर्य की चर्चाएं भी बढ़ने लगी.

इसी बीच पिता जुझार सिंह ने रानी अवंती बाई के विवाह का प्रस्ताव अपने सजातीय रामगढ़, मण्डला के राजपूत राजा लक्ष्मण सिंह के पुत्र राजकुमार विक्रमादित्य सिंह के लिए भेजा जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकारा. विवाह के बाद रानी अवंती बाई सिवनी छोड़ रामगढ़ ,मंडला की कुलवधु हो गई. लेकिन विवाह के कुछ वर्षों के भीतर ही सन-1850 में राजा लक्ष्मण सिंह का स्वर्गवास हो गया.

जिसके बाद राजकुमार विक्रमादित्य सिंह ने राजकाज संभाला. साथ में रानी अवंती बाई रामगढ़ के दुर्ग में अपने दो पुत्रों अमान सिंह और शेर सिंह के साथ सुखी जीवन व्यापन कर रहे थे. लेकिन यकायक थोड़े समयावधि के बाद ही विक्रमादित्य सिंह का स्वास्थ्य भी क्षीण होने लगा और कुछ वर्षों के भीतर ही उनकी भी मौत हो गई. अब दोनों छोटे राजकुमारों के साथ प्रजा के संरक्षण की जिम्मेदारी रानी अवंती बाई के ऊपर आ गई.

डलहौजी ने रामगढ़ को बनाया निशाना

एक ओर रामगढ़ और रानी अवंती बाई इस समय एक ओर इन विषम परिस्थितियों से दो-दो हाथ कर रहे थे, तो वहीं पूरे देश में लार्ड डलहौजी हड़प नीति के जरिये तेजी से साम्राज्य विस्तार कर रहा था. उसकी कुदृष्टि अब रानी के रामगढ़ पर थी लेकिन रानी किसी भी कीमत पर अपनी स्वाधीनता का सौदा नहीं करना चाहती थी लेकिन अपनी हड़प नीति से कानपुर, झांसी, नागपुर, सतारा समेत कई अन्य रियासतों को हड़प चुके डलहौजी ने अब रामगढ़ को अपना निशाना बनाया और पूरी रियासत को ₹कोर्ट ऑफ वार्ड्स₹ के अधीन कर लिया. अब रामगढ़ का राजपरिवार अंग्रेजी सरकार की पेंशन पर आश्रित हो गया था. लेकिन बेबस रानी महज अपमान का घूंट पीकर सही समय की प्रतीक्षा करने लगी और यह मौका हाथ आया 1857 की क्रांति में, जब पूरा देश अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र क्रांति का बिगुल फूंक चुका था.

अंग्रेजों ने तब तक भारत के अनेक भागों में अपने पैर जमा लिए थे, जिनको उखाड़ने के लिए रानी अवंती बाई ने रेवांचल में क्रांति की शुरुआत की और बतौर भारत की पहली महिला क्रांतिकारी अंग्रेजों के विरुद्ध ऐतिहासिक निर्णायक युद्धों में भाग लिया. इस बीच रानी के सहयोगी राजा शंकरशाह और राजकुमार रघुनाथ शाह को दिए गए मृत्युदण्ड ने क्रांति की इस ज्वाला को ओर भड़का दिया. कई देशभक्त राजाओं और जागीरदारों का समर्थन रानी को मिल चुका था, लिहाजा उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ बगावत करके अपने राज्य से गोरे अधिकारियों को निकाल भगाया और राज्य की बागडोर फिर अपने हाथ में ले ली.

इसकी खबर जब बड़े गोरे अधिकारियों को लगी तो उनके पांव तले जमीन खिसक गई. रानी ने एक करके मंडला, घुघरी, रामनगर, बिछिया समेत कई रियासतों से अंग्रेजों को निकाल भगाया. लगातार युद्धों के बाद थकी हुई सेना और सशस्त्रो व संसाधनों के अभाव के बीच अंग्रेजों ने फिर दुगनी ताकत से रानी पर हमला किया. रानी इस समय मंडला पर शासन कर रही थी जहां से उन्हें बाहर निकलकर देवहारगढ़ की पहाड़ियों में ढेरा डालना पड़ा.

रानी के जीते दुर्गों में लुटपाट के बाद अंग्रेजी सेना ने रानी के पास आत्मसमर्पण का प्रस्ताव भेजा जिस पर मां भारती की इस वीर बेटी की प्रतिक्रिया दी कि - ₹लड़ते-लड़ते बेशक मरना पड़े लेकिन अंग्रेजों के भार से दबूंगी नहीं₹ इसके बाद अंग्रेजी सेना ने पूरी पहाड़ी को घेर कर रानी की सेना पर हमला बोल दिया. कई दिनों तक चले इस युद्ध में कई राजा गोरी सरकार की शरण में चले गए और उनकी सेना का साथ देने लगे. रीवा का नरेश तो पहले ही उनके साथ हो गया था.

आखिर कार वो दिन आ गया जो इतिहास में रानी के शौर्य को अमर करने वाला था, 20 मार्च, 1858 का दिन था. युद्ध में कहने को रानी अवंती बाई की सेना मुट्ठी भर थी लेकिन इन वीरों ने अंग्रेजी सेना को पानी पिला दिया. इस शेरनी की सेना के कई जाबाज सैनिक घायल हो चुके थे, गोली लगने स्वयं यह भी बुरी तरह घायल हो चुकी थी. इस मौके का कायर अंग्रेजी सेना ने फायदा उठाना चाहा लेकिन वो कुछ करते इस के पहले ही वीरांगना रानी अवंती बाई ने अपने अंगरक्षक की तलवार छीनकर स्वयं की जीवन लीला समाप्त कर ली।

महिलाओं के लिए पावरहाउस है ये छोटा सा बीज, कई बीमारियों को रखता है दूर, न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए 5 फायदे

कमजोर नजर में जान फूंक देंगे ये फूड्सआगे देखें...

सूजन करे कम

इसमें मौजूद ओमेगा -3 फैट और गामा-लिनोलेनिक एसिड (जीएलए) होने की वजह से यह बड़ी आसानी से शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है, जिससे कैंसर जैसी बीमारियां दूर रह सकती हैं. यह इम्यूनिटी को भी बूस्ट करने का काम करता है.

पाचन में सुधार

हेंप सीड में एमाइलेज और लाइपेज जैसे एंजाइम होते हैं, जो कार्बोहाइड्रेट और वसा को तोड़कर पाचन का बेहतर करने में मदद करता है. ये एंजाइम पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकते हैं. इस तरह पेट में किसी तरह की बीमारी को ये होने से रोक सकता है.

वजन घटाने में सहायक

दरअसल, हेंप सीड भूख को कम करने में भी मदद करता है. इसमें उच्च मात्रा में फाइबर होता है पेट को देर तक भरा रखने में मदद करता है. इस तरह हम कम खाकर वजन कम कर सकते हैं.

बालों और त्वचा को बनाता है हेल्दी

इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन ई होता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है. यह कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाने में मदद करता है. विटामिन ई इम्यूनिटी को बढ़ाने में भी मदद करता है. जिससे स्किन और बाल हेल्दी रहते हैं. आप इस बीज को बड़ी आसानी से अपने भोजन, स्मूदी या स्नैक्स के रूप में खा सकते हैं.

हैंप सीड में गामा-लिनोलेनिक एसिड (जीएलए) पाया जाता है जो खास तरह के ओमेगा 6 फैटी एसिड से भरपूर होता है.

शोधों में ये पाया गया है कि हेंप सीड यानी भांग का बीज सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है. खासतौर पर अगर महिलाएं इसे अपने डाइट में शामिल कर लें तो ये उनकी कई समस्याओं को दूर करने का काम कर सकता है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं रोज युद्ध स्तर पर काम करती हैं. बच्चे की परवरिश से लेकर घर संभालना, सुबह 9 से 5 की नौकरी और इन सब के बीच खुद की सेहत को अनदेखा करना उन्हें कई बीमारियों की तरफ धकेलने का काम करता है. दरअसल, महिलाएं परिवार के सेहत का तो ध्यान रखती हैं, लेकिन खुद के गिरते स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर जाती हैं. ऐसे में जानी मानी न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर महिलाओं की सेहत पर विशेष पोस्ट शेयर किया है. इस पोस्ट में उन्होंने हेंप सीड यानि भांग के बीज की जानकारी दी है. उन्होंने इस पोस्ट में बताया है कि यह बीज किस तरह से महिलाओं के लिए पावरहाउस साबित हो सकता है. आइए जानते हैं कि महिलाओं के लिए हेंप सीड किस तरह फायदेमंद है.

महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है हेंप सीड

गामा-लिनोलेनिक एसिड (जीएलए) से भरपूर

हेंप सीड में गामा-लिनोलेनिक एसिड (जीएलए) पाया जाता है, जो खास तरह के ओमेगा 6 फैटी एसिड से भरपूर होता है. यह शरीर में किसी भी तरह के सूजन को कम करता है और त्वचा को हेल्दी रखने में मदद करता है. यह हार्मोन संतुलन, एक्जिमा और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम (पीएमएस) जैसी स्थितियों से जुड़े लक्षणों को भी कम कर सकता है.

कमजोर नजर में जान फूंक देंगे ये फूड्स

कांग्रेस दिल्ली में कमान बदलने को तैयार

देहात के साथ पूर्वांचली नेताओं पर विचार, राहुल गांधी सक्रिय

परिवहन विशेष न्यूज

इसी कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार का कार्यकाल समाप्त होने पर उनके स्थान पर दूसरे नेता को नियुक्त किया जा सकता है। उनके स्थान पर दिल्ली देहात के साथ-साथ पूर्वांचल के नेताओं के नामों पर विचार हो रहा है।

नई दिल्ली। कांग्रेस आलाकमान ने लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। इसी कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार का कार्यकाल समाप्त होने पर उनके स्थान पर दूसरे नेता को नियुक्त किया जा सकता है। उनके स्थान पर दिल्ली देहात के साथ-साथ पूर्वांचल के नेताओं के नामों पर विचार हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदाता हैं। इसके अलावा पूर्वांचलियों की भी संख्या अच्छी खासी है। ऐसे में कांग्रेस पैठ बनाने के लिए इनके बीच के किसी नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर विचार कर रही है। नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी दिल्ली के नेताओं से बात कर रहे हैं। प्रदेश के नेता हर मामले में मजबूत नेता को कमान देने की वकालत कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि किसी पूर्वांचली नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

इन नामों की चर्चा

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस आलाकमान प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रहे व वर्तमान में उत्तराखंड के प्रभारी पूर्व विधायक देवेंद्र यादव, एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष रोहित चौधरी, पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, जेएनयू के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया लाल के नाम पर खासतौर पर विचार कर रहा है। निगम चुनाव में हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष बदलने की चर्चा आरंभ होने के दौरान भी कन्हैया लाल को अध्यक्ष बनाने पर विचार हुआ था, लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने विचार त्याग दिया था।

प्रदेश कांग्रेस में काम करने वाले नेता ही रहेंगे : राहुल गांधी

प्रदेश कांग्रेस के नेताओं को राहुल गांधी ने दो टूक कहा कि काम करने वाले ही पार्टी में रहेंगे और उन्हें ही जिम्मेदारी मिलेगी। उन्होंने काम नहीं करने वाले नेताओं को आराम करने की सलाह दी, बेशक वे कितने ही वरिष्ठ नेता और कई चुनाव जीते हों। बुधवार को कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार ने शिकायत की कि यहां आए अधिकतर नेता न तो प्रदेश की बैठक में आते हैं और न ही धरना प्रदर्शन में शामिल होते हैं।

इस पर प्रदेश कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता चुप्पी साधे रहे। राहुल ने शिकायत को गंभीरता लेते हुए वरिष्ठ नेताओं को अप्रत्यक्ष तौर पर फटकार लगाई। राहुल ने चेतावनी दी कि काम करना है तो वे पार्टी में रहें, अगर काम नहीं कर सकते है तो आराम करें। अब मौजूद गतिविधि व काम को देखकर ही पार्टी में जिम्मेदारी मिलेगी। लिहाजा, पार्टी को काम करने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। इस बीच दो-तीन नेताओं ने प्रदेश इकाई में गुटबाजी दूर करने का आग्रह किया।

इस पर राहुल ने कहा कि गुटबाजी दूर करने के लिए कोई बाहर से नहीं आएगा। बैठक में मौजूद तमाम नेताओं में ही गुटबाजी है। लिहाजा, उन्हें स्वयं गुटबाजी दूर करनी होगी। वह पार्टी की बैठकों में शामिल हो और कार्यक्रमों में शिरकत करें। इसके अलावा वह पार्टी की नीतियों व सरकारों की ओर से किए जा रहे जनविरोधी कार्यों को लेकर जनता के बीच जाएं। इसके बाद गुटबाजी नहीं रहेगी।

पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी पर नाराजगी

राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस के कुछ नेताओं की ओर से पार्टी लाइन से हटकर बयानबाजी करने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बयानबाजी करने की जगह वे कार्य करें और अपनी बात पार्टी के अंदर रखें। पार्टी भविष्य में इस तरह की बयानबाजी बर्दाश्त नहीं करेगी। गौरतलब है कि कांग्रेस आलाकमान की ओर से दिल्ली सेवा बिल का विरोध करने के निर्णय पर प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं ने मीडिया में बयान देकर आपत्ति जताई थी।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित बोले- गठबंधन हो या ना हो, दिल्ली की सभी सात सीटों पर खुद को करेंगे मजबूत

संदीप दीक्षित ने कहा कि अलका लांबा ने जो कहा वह यह था कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ता सभी सात जिलों में खुद को मजबूत करेंगे। जब आप एक पार्टी को मजबूत करते हैं, तो आप इसे चुनिंदा रूप से नहीं करते हैं, आप इसे पूरे राज्य में करते हैं।

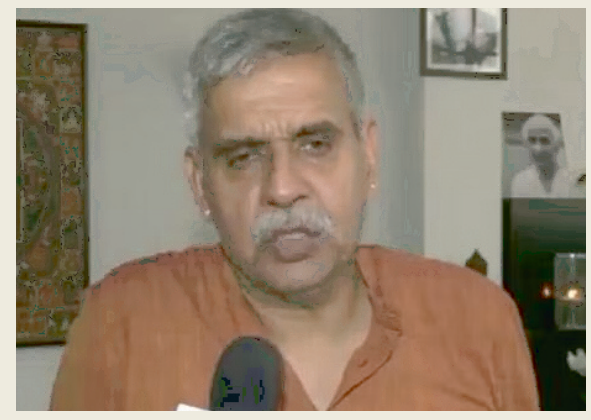

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने शुक्रवार को कहा कि अलका लांबा की यह टिप्पणी कि पार्टी दिल्ली की सभी सात सीटों पर खुद को मजबूत करेगी, इलका आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के फैसले से कोई लेना-देना नहीं है। दीक्षित ने कहा कि किसी भी चुनाव की तैयारी के लिए, किसी भी पार्टी को गठबंधन के बावजूद राज्य भर में सभी जिलों में खुद को मजबूत करने की जरूरत है।

संदीप दीक्षित ने कहा कि अलका लांबा ने जो कहा वह यह था कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ता सभी सात जिलों में खुद को मजबूत करेंगे। जब आप एक पार्टी को मजबूत करते हैं, तो आप इसे चुनिंदा रूप से नहीं करते हैं, आप इसे पूरे राज्य में करते हैं। अगर गठबंधन होता है तो वे जिस भी सीट पर लड़ेंगे हम उनका समर्थन करेंगे। अगर हम सभी जिलों में अपना आधार मजबूत नहीं करेंगे तो हम आगामी चुनाव कैसे लड़ेंगे? या हम उनका समर्थन कैसे करेंगे?

दरअसल दिल्ली के कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक की। बैठक के बाद लांबा ने कहा था कि गठबंधन करना है या नहीं, इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन हमें सातों सीटों पर खुद को तैयार रहने को कहा गया है। हम सातों सीटों पर खुद को ठीक से तैयारी करके मजबूती से जनता के पास जाएंगे। लांबा की इस टिप्पणी के बाद आम आदमी पार्टी ने कहा था कि अगर कांग्रेस दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ना चाहती है तो मुंबई में गठबंधन की अगली बैठक में भाग लेने का कोई मतलब नहीं है।

संदीप दीक्षित ने दावा किया कि गठबंधन पर कोई विवाद नहीं है और आप का बयान या तो उन्हें ब्लैकमेल करने या खबरों में बने रहने की रणनीति है। 543 सीटें हैं और कोई भी अन्य दल गठबंधन के बारे में इस तरह की बात नहीं कर रहे हैं। यूपी में समाजवादी पार्टी को बहुत बड़ा असर होने वाला है। गठबंधन पर कोई विवाद नहीं है। यह आप है जिसे हमें बताना होगा कि क्या वे जमीन तैयार कर रहे हैं दूर जाना है या नहीं।

हत्या का आरोपी चोरी के मामले में बंद, पुलिस को पता ही नहीं चला कि कोर्ट ने किया है भगोड़ा घोषित

लाजपत नगर पुलिस ने बीयर की बोतल को तोड़कर कई बार गले में घोंपकर हत्या करने वाले आरोपी चिंटू को चोरी के आरोप में बंद कर दिया पर पुलिस को ये पता नहीं लगा कि वह हत्या का आरोपी है और कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था।

नई दिल्ली। लाजपत नगर थाना पुलिस की लापरवाही सामने आई है। लाजपत नगर पुलिस ने बीयर की बोतल को तोड़कर कई बार गले में घोंपकर हत्या करने वाले आरोपी चिंटू को चोरी के आरोप में बंद कर दिया पर पुलिस को ये पता नहीं लगा कि वह हत्या का आरोपी है और कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था।

खास बात ये है कि हत्या की वारदात के तीन वर्ष बाद आरोपी उसी जगह आकर रहने लग गया, जहां उसने साथी की हत्या की थी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मथुरा के अजम नगर के सराय आजमपुर निवासी आरोपी चिंटू उर्फ शिंटू को अब गिरफ्तार किया है। इस दौरान वह चोरी की वारदात कर चुका था। अपराध शाखा के पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2018 में चिंटू अपने साथी दिलीप के साथ मूलचंद फ्लाईओवर के नीचे ताश खेल रहा था। साथ में साथी धनीराम भी था।

मामूली बात पर झगड़ा होने पर दोनों ने धनीराम की हत्या कर दी। दिलीप ने धनीराम को पकड़ लिया और चिंटू ने बीयर की बोतल उसके गले में कई बार घोंप दी। चोरी के पैसों के बंटवारे को लेकर इनमें झगड़ा हुआ था। लाजपत नगर थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। अपराध शाखा में तैनात एसआई अनुज कुमार को सूचना मिली थी कि चिंटू हजरत निजामुद्दीन क्षेत्र में आएगा। एसीपी उमेश बड़थ्वाल के नेतृत्व में इंस्पेक्टर राकेश शर्मा, एसआई अनुज व अन्य की टीम ने आरोपी चिंटू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चिंटू पांच वर्ष से फरार था और उसके खिलाफ आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर रखा था

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि धनीराम की हत्या के बाद वह राजस्थान जाकर छिप गया। इसके बाद वर्ष 2021 में दिल्ली आकर लाजपत नगर फ्लाईओवर के नीचे रहने लगा। यहीं पर उसने धनीराम की हत्या की थी। वर्ष 2022 में ये चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। इसने अपना नाम गोविंद बताया। लाजपत नगर पुलिस ने आरोपी के बारे में कुछ पता करने की जहमत नहीं उठाई और उसे चोरी क आरोप में जेल भेज दिया।

लाजपत नगर पुलिस को पता नहीं लगा कि चिंदू हत्या का आरोपी है और कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा है। पुलिस ने हत्या वाली जगह पर जाकर भी चेक नहीं किया। आरोपी वर्ष 2023 में जेल से बाहर आ गया। अब अपराध शाखा ने आरोपी चिंटू को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली विधानसभा में CM केजरीवाल: प्रधानमंत्री अब नए रथ पर सवार, गिरा रहे हैं राज्यों की सरकारें

दिल्ली विधानसभा सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन में फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने दिल्ली सर्विस कानून बनाकर दिल्ली की जनता के अधिकार छीन लिए लेकिन मैं दिल्ली के लोगों को आश्वासन देता हूं कि आपको आपके अधिकार वापस दिलाकर रहूंगा हम किसी भी हालत में दिल्ली के काम रुकने नहीं देंगे।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन में फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली सर्विस कानून लाने पर सीएम केजरीवाल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने कानून बनाकर दिल्ली की जनता के अधिकार छीन लिए, लेकिन मैं दिल्ली के लोगों को आश्वासन देता हूं कि आपको आपके अधिकार वापस दिलाकर रहूंगा, हम किसी भी हालत में दिल्ली के काम रुकने नहीं देंगे।

सदन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने कानून लाकर दिल्ली की जनता के अधिकारों को छीना है। यह कानून क्यों लाया गया, इसे समझने के लिए हमें कुछ पीछे चलना पड़ेगा।

दिल्ली विधानसभा सत्र में दो दिन से चल रहे राष्ट्रीय राजधानी में सेवा विभाग पर नियंत्रण वाले जीएनसीटीडी (संशोधन) अधिनियम 2023 के लागू होने के विरोध में सत्तापक्ष इस मुद्दे पर आज चर्चा करा रहा है। आप के दो राज्यसभा सदस्य और एक लोकसभा सदस्य के निलंबन का भी विधानसभा में सत्तापक्ष मुद्दा उठा रहा है। आप विधायक संजीव झा ने इस मुद्दे पर चर्चा शुरू की। आप के सोमनाथ भारती, कुलदीप कुमार और मंत्री आतिशी ने भी रखी अपनी बात, सभी ने इस कानून को लाए जाने को गलत बताया।

मोदी लहर के बीच हमने दिल्ली में बनाई सरकार

अरविंद केजरीवाल ने सदन में कहा कि 2013 में चारों ओर पीएम मोदी की लहर थी, मगर इसी बीच हम लोगों ने दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ा। 4 दिसंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो हमें जनता ने 28 सीटें दीं। 49 दिन हमने सरकार चलाई और ऐसे काम किए कि सभी जगह आम आदमी पार्टी (AAP) की चर्चा हुई।

हमने सरकार से इस्तीफा दिया और फिर से 2015 का चुनाव लड़ा तो हमें 70 में से 67 सीटें मिलीं। दूसरी बार 2020 में चुनाव लड़ा और 70 में से 62 सीटें जीतीं। मगर पीएम मोदी की परेशानी यही रही है कि ये केजरीवाल आगे क्यों बढ़ रहा है।

पीएम सुप्रीम कोर्ट तक की नहीं सुनते

केजरीवाल ने कहा कि लगातार पीएम मोदी के इशारे पर हमारे काम रोके जा रहे हैं। आज देश में ऐसे प्रधानमंत्री आए हैं, जो सुप्रीम कोर्ट को नहीं मानते हैं। ये सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए बिल लेकर आए। पीएम मोदी अब नया रथ लेकर चले हैं, इस पर सवार होकर राज्यों की सरकारें गिरा रहे हैं।

मगर दिल्ली में कुछ नही कर पाए हैं। दिल्ली और पंजाब के लोग हमें बहुत प्यार करते हैं। यहां से मोदी जी हमें हटा नही सकते हैं, इसलिए मोदी जी परेशान हैं।

हमारे काम रोकने में लगे हैं पीएम

पिछले आठ साल से प्रधानमंत्री हमारे काम रोकने के लिए निजी तौर पर लगे हैं। मगर हमारे काम नहीं रोक पाए हैं। हमने लड़-लड़ कर काम कराए हैं। ये लोग कहते हैं कि केजरीवाल 100 करोड़ खा गए, मगर हमने एक भी पैसा नहीं खाया, खाया होता तो इन्हें जरूर मिलता, इन्हें एक भी पैसा नहीं मिला है। सुप्रीम कोर्ट में हम जीतेंगे, फिर से हमें अधिकार मिलेंगे और हमारी सरकार 100 नहीं 200 की स्पीड से काम करेगी। हम दिल्ली वालों के काम नहीं रुकने देंगे।

ये भी बोले सीएम केजरीवाल

दुनिया में कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ है, जो केजरीवाल को झुका दे या तोड़ दे। हम किसी के सामने झुकने वाले नहीं हैं। आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा दिल्ली की सातों सीटों हारेगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पूछा- डीयू विशेष नहीं, सभी केंद्रीय विवि अपना रहे सीयूईटी का स्कोर तो आप क्यों नहीं

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने सीयूईटी के बजाय सीएलएटी के माध्यम से पांच वर्षीय कानून पाठ्यक्रमों में प्रवेश के दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के फैसले पर सवाल उठाया। इसके बाद डीयू ने कहा, वह इस पाठ्यक्रम के लिए 25 अगस्त तक आवेदन नहीं मांगेगा। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा व न्यायमूर्ति संजीव नरूला की खंडपीठ ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, आप विशेष नहीं। यह राष्ट्रीय नीति है। यदि 18 अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर अपना रहे हैं, तो डीयू ऐसा क्यों नहीं कर रहा। इस पर डीयू ने कोर्ट को बताया कि मुद्दे पर विचार के लिए गठित एक विशेष समिति ने इसका सुझाव दिया है। उन्होंने कोर्ट से मामले में जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय देने की मांग की। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 25 अगस्त तक स्थगित कर दी। पीठ ने स्पष्ट किया कि अगर अगली तारीख तक जवाब दाखिल नहीं किया गया तो अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर मामले की सुनवाई की जाएगी।

एम्स ने दिल्ली में चल रहे अंध विद्यालय में मिल रही सुविधा के लिए एक अध्ययन किया।

दृष्टिबाधित छात्र उपकरणों के अभाव में हो रहे पढ़ाई में कमजोर, स्कूलों में नहीं हैं पर्याप्त ट्रेनर

परिवहन विशेष न्यूज

एम्स ने दिल्ली में चल रहे अंध विद्यालय में मिल रही सुविधा के लिए एक अध्ययन किया। दिल्ली के शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एनजीओ की मदद से चल रहे 24 स्कूलों को इस अध्ययन के लिए चुना गया, जिनमें से दो स्कूल ने अध्ययन का हिस्सा बनने से मना कर दिया।

नई दिल्ली। दिल्ली में दृष्टिबाधित छात्रों के विकास के लिए चल रहे अंध विद्यालय में पर्याप्त सुविधाएं नहीं है। इनके अभाव में छात्रों का कौशल विकास और शिक्षा का स्तर मानक तक नहीं पहुंच पाता। ऐसे विशेष बच्चों के विकास के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 54 तरीके के उपकरण (सहायक प्रौद्योगिकी) के इस्तेमाल का मापदंड तय किया है। इन उपकरणों में ब्रेल, स्टाइलस, अबेकस, स्लेट फ्रेम, लंबी छड़ी, बात करने वाली घड़ी सहित अन्य उपकरण शामिल हैं।

एम्स ने दिल्ली में चल रहे अंध विद्यालय में मिल रही सुविधा के लिए एक अध्ययन किया। दिल्ली के शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एनजीओ की मदद से चल रहे 24 स्कूलों को इस अध्ययन के लिए चुना गया, जिनमें से दो स्कूल ने अध्ययन का हिस्सा बनने से मना कर दिया। अध्ययन में शामिल हुए स्कूलों में 80 से 150 बच्चे पढ़ते हैं।

यह अध्ययन साल 2018 में शुरू किया गया। अध्ययन को सात डोमिन में बाटा गया। इसमें लेखन, पढ़ने, गणित, विज्ञान, खेल, गतिशीलता और दैनिक जीवन शामिल हैं। अध्ययन का उद्देश्य स्कूलों में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए उपकरण और प्रशिक्षकों की उपलब्धता का आकलन करना था।

स्कूलों में नहीं हैं पर्याप्त ट्रेनर

अध्ययन में शामिल हुए दिल्ली के 22 स्पेशल स्कूल में दृष्टिबाधित बच्चों को सीखने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षक नहीं हैं। इन स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए 75 सीटों पर केवल 63 स्पेशल एजुकेटर मौजूद पाए गए। लिखने का कौशल सीखने के लिए 74 सीटों पर 64 स्पेशल एजुकेटर, इन स्कूलों में केवल 11 मोबिलिटी ट्रेनर पाए गए। केवल 50 फीसदी ही पद भरे पाए गए। इसमें गणित के लिए 25 और विज्ञान के लिए 18 स्पेशल एजुकेटर पाए गए।

शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

एम्स दृष्टिबाधित छात्रों के विकास के लिए दिल्ली के स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट चलाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत स्कूल में पढ़ने वाले दृष्टिबाधित छात्रों को सभी 52 सहायक तकनीक उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही देखा जाएगा कि इनकी मदद से बच्चों में सीखने, उनके कौशल व अन्य में किस तरह का सुधार आता है।

दृष्टिबाधित बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर बनाया जा सकता है सफल

प्रत्येक स्कूल के प्रधानाध्यापक से एक प्रश्नावली का उपयोग करके लेखन, पढ़ने, गणित, विज्ञान, खेल, गतिशीलता और दैनिक जीवन में विभाजित 52 एटी की उपलब्धता के बारे में पूछा गया था। इस अध्ययन में पाया गया कि 90 फीसदी स्कूलों में स्टाइलस और अबेकस के साथ ब्रेल स्लेट उपलब्ध हैं।

80 से 90 फीसदी स्कूलों में टेलर फ्रेम, लंबी छड़ी और बात करने वाली घड़ी उपलब्ध हैं। जबकि 60 फीसदी से अधिक स्कूल ऐसे पाए गए जिसमें केवल 11 उपकरण उपलब्ध हैं। इन स्कूलों में दृष्टि-आधारित एटी की तुलना में स्पर्श-आधारित एटी अधिक उपलब्ध थे। 22 स्कूलों में पढ़ने और लिखने के लिए 63 प्रशिक्षक, विज्ञान के लिए 18, गणित के लिए 25, और गतिशीलता के लिए 11 प्रशिक्षक उपलब्ध थे। इन स्कूलों में ब्रेल स्लेट और स्टाइलस को छोड़कर अन्य उपकरणों की भारी कमी पाई गई।

अध्ययन से जुड़े एम्स के डॉ. आरपी नेत्र विज्ञान केंद्र में दृष्टि पुनर्वास, सहायक प्रौद्योगिकी, सामुदायिक नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर सूरज सिंह सेंजम ने कहा कि इन उपकरणों के अभाव में बच्चों का विकास प्रभावित होता है। इन उपकरणों की मदद से दृष्टिबाधित बच्चों का संपूर्ण विकास किया जा सकता है। लेकिन अध्ययन में इनकी भारी कमी पाई गई। उन्होंने कहा कि बिना उपकरण के बच्चे सीख नहीं पाएंगे और आगे चलकर अपना विकास नहीं कर पाएंगे। जबकि उन्हें बेहतर शिक्षा देकर मजबूत और सफल व्यक्ति बनाया जा सकता है।

बच्चों में यह होता है नुकसान

पढ़ाई होती है प्रभावित
सामाजिक रूप से हो जाते हैं कमजोर
दिव्यांगता के इलाज में देरी
जीवन स्तर में गिरावट
नहीं मिल पाती चिकित्सकीय देखभाल
नहीं हो पाता कौशल विकास

मोदीनगर मतांतरण मामला: पादरी और उनकी पत्नी पर पुलिस का शिकंजा, जल्द दाखिल होगी चार्जशीट

परिवहन विशेष न्यूज

मतांतरण कराने वाले आरोपित पादरी महेंद्र और उसकी पत्नी सीमा पर शिकंजा कसने की पुलिस की पूरी तैयारी है। पुलिस इन्हें जेल भेजने के बाद सख्त से सख्त सजा दिलाने व उनके नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त कराने में जुटी है। दोनों आरोपितों के खिलाफ पुलिस इसी महीने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर देगी। इसको लेकर एसआइटी काम में लगी है।

मोदीनगर। मतांतरण कराने वाले आरोपित पादरी महेंद्र और उसकी पत्नी सीमा पर शिकंजा कसने की पुलिस की पूरी तैयारी है। पुलिस इन्हें जेल भेजने के बाद सख्त से सख्त सजा दिलाने व उनके नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त कराने में जुटी है। दोनों आरोपितों के खिलाफ पुलिस इसी महीने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर देगी। इसको लेकर एसआइटी काम में लगी है।

इलेक्ट्रानिक साक्ष्य, आरोपितों के बयान व बैंक लेनदेन के विवरण को पुलिस चार्जशीट में शामिल करेगी। सूत्रों की मानें तो पांच सौ से अधिक पन्नों की चार्जशीट होगी। शाहजहांपुर के आशीष व कुसुम को भी इसमें गवाह बनाया गया है। चार्जशीट में आरोपित दंपती के साथ फंडिंग करने वाले आरोपितों के नाम भी शामिल होंगे। पुलिस ने अभी महेंद्र की बहन सुनीता व दीपिका का नाम मुकदमें में नहीं बढ़ाया है।

जबकि इनके खाते में भी डालर फंडिंग के साक्ष्य पुलिस को मिले हैं। उधर, अभी फारेंसिक लैब से जांच रिपोर्ट भी नहीं आई है। आरोपितों ने पकड़े जाने से पहले मोबाइल का सारा डाटा डिलीट कर दिया था। इस डाटा को रिकवर करने के लिए मोबाइल फारेंसिक लैब भेजे गए थे। डीसीपी ग्रामीण की तरफ से इसको लेकर पत्राचार भी किया गया है।

संभावना है कि एक-दो दिन में रिपोर्ट आएगी, जिससे जरूरी साक्ष्य मिलने की पूरी उम्मीद है। इन साक्ष्यों को चार्जशीट में शामिल किया जाएगा। रासुका के लिए शासन से अनुमति का इंतजार मोदीनगर पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ रासुका (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत कार्रवाई के लिए फाइल तैयार कर जिला प्रशासन को भेजी है। वहां से जांच के बाद फाइल को शासन स्तर पर भेजा जाएगा। शासन से अनुमति मिलने के बाद ही दोनों आरोपितों पर कार्रवाई होगी।

पुलिस के मुताबिक, राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के कारण ही इन पर रासुका की कार्रवाई की जा रही है। जानकारों की मानें तो रासुका के बाद आरोपितों को कोर्ट से जमानत मिलना बेहद मुश्किल होगा। क्षेत्र में डेरा डाले हैं सुरक्षा एजेंसियां मतांतरण के दो आरोपित पकड़े गए हैं। उनके खातों की छानबीन से मोदीनगर समेत आसपास के क्षेत्र से कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं। वे फरार हैं।

उन तक पहुंचने के लिए सुरक्षा एजेंसियां अब भी यहां डेरा डाले हुए हैं। यूपी एटीएस व खुफिया विभाग की टीम यहां गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। रासुका की फाइल तैयार कर जिला प्रशासन को भेजी गई है। मतांतरण के इस गिरोह को पूरी तरह ध्वस्त करने पर काम चल रहा है। जांच में जिसकी भी भूमिका सामने आएगी, उसे जेल भेजा जाएगा। -

विवेक चंद, डीसीपी ग्रामीण जोन, कमिश्नरेट गाजियाबाद।

गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे ग्रेटर नोएडा अभियान के तहत चार करोड़वां पौधा लगाया, भवनों का किया उद्घाटन

केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल वर्ष 2020 से 2022 में पूरे देश में सामूहिक रूप से 3.55 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। इस वर्ष सीआरपीएफ के लिए 1.5 करोड़ पौधारोपण का सामूहिक लक्ष्य रखा है।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को गौतमबुद्ध नगर के सुत्याना गांव के पास स्थित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीआरपीएफ) ग्रुप केंद्र पहुंचे। यहां पर उन्होंने चार करोड़वां पौधा लगाया। अमित शाह सीआरपीएफ के आठ विभिन्न परिसर में 15 नवनिर्मित भवनों का भी ई-उद्घाटन किया। उनके दौरे के लिए पुलिस-प्रशासनिक अधिकारिक दिन भर तैयारियां में जुटे रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। तीन साल पहले हमने तय किया था कि दिसंबर 2023 से पहले हम पांच करोड़ वृक्षों को लगाएंगे और वृक्ष बनने तक इनका ख्याल रखेंगे। जिस समय 50000000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था उस समय लोग कहते थे कि कैसे पूरा होगा, लेकिन आज मुझे भरोसा हो गया है कि हम बहुत जल्द लक्ष्य पूरा करेंगे। इस केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बल ने कोरोना कल से लेकर देश की जनता के हर संकट पर साथ दिया, खड़ा रहने का जज्बा दिखाया।

साथ ही उन्होंने कहा कि आज परमवीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल एबी तारापोर का जन्मदिन है। शहीद तारापोर ने देश की रक्षा के लिए न केवल सर्वोच्च बलिदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी-अभी अंडमान निकोबार में स्थित एक द्वीप को शहीद तारापोर का नाम देकर उनको सदा लोगों की स्मृति में जीवित रखने का काम किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल वर्ष 2020 से 2022 में पूरे देश में सामूहिक रूप से 3.55 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। इस वर्ष सीआरपीएफ के लिए 1.5 करोड़ पौधारोपण का सामूहिक लक्ष्य रखा है। लक्ष्य पूरा होने पर पौधारोपण की संख्या पांच करोड़ हो जाएगी। अमित शाह शुक्रवार ने ग्रेटर नोएडा के सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र में चार करोड़वां पौधा लगाकर अभियान को आगे बढ़ाया। अहम है कि 12 जुलाई 2020 को गृह मंत्री ने यह अभियान शुरू किया था।

प्रतीक ग्रैंड सिटी की 18वीं मंजिल से कूदकर महिला की ने दी जान

सिद्धार्थ विहार की प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसायटी में 51 वर्षीय महिला ने बृहस्पतिवार को 18वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। महिला ने सुसाइड नोट में अकेलेपन के कारण यह कदम उठाने की बात लिखी है। पुलिस को शाम पौने चार बजे सूचना मिली। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि सी-10 टावर में रेखा उनियाल पति नरेंद्र बेटा व बेटी के साथ रहती थीं।

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार की प्रतीक ग्रैंड सिटी सोसायटी में 51 वर्षीय महिला ने बृहस्पतिवार को 18वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। महिला ने सुसाइड नोट में अकेलेपन के कारण यह कदम उठाने की बात लिखी है। पुलिस को शाम पौने चार बजे सूचना मिली। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि सी-10 टावर में रेखा उनियाल पति नरेंद्र, बेटा व बेटी के साथ रहती थीं। नरेंद्र सूर्य नगर में एक स्कूल के प्रबंधक हैं और बेटा व बेटी भी जॉब करती हैं।

चोरी के 10 वाहनों के साथ दो शातिर गिरफ्तार

साहिबाबाद। कोतवाली पुलिस ने अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली-एनसीआर से चोरी के 10 वाहनों के साथ दो शातिरों रमीज और दीपक निवासी साधुराम कालोनी को गिरफ्तार किया है। लोगों से खुद को वाहनों का मालिक बताकर दोनों कम दाम बेच देते थे। दोनों के पास से पुलिस ने चोरी की आठ बाइक और दो स्कूटी बरामद किए हैं। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि रमीज और दीपक दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग जगहों से वाहनों को चोरी करते थे। इन्होंने पार्श्वनाथ सोसायटी के पीछे मकान में चोरी वाहनों का अड्डा बनाया हुआ था। इनके गिरोह में और भी लोग शामिल हैं। पूछताछ में कई के नाम सामने आए हैं। वे सभी भागे हुए हैं। उनकी तलाश में टीम लगी है। दोनों पर दिल्ली-एनसीआर में करीब 12 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इनके रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। एसीपी का कहना है कि दोनों ने चोरी वाहनों के अलग-अलग पार्ट्स करके भी बेच देते थे।

ट्रॉनिका सिटी में बच्चों से भरी स्कूल बस पलटी, 20 से अधिक छात्र थे सवार, करीब छह घायल

गाजियाबाद के थाना ट्रॉनिका सिटी के मीरपुर हिंदू गांव के बहार बच्चों से भरी स्कूल बस पलट गई। बताया जा रहा है बस को बैक करने के दौरान यह हादसा हुआ। बस में 20 से अधिक बच्चे सवार थे। पांच से छह बच्चों को चोट आई है। घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुएं की खुदाई के दौरान तीन मजदूर दबे, 1 की मौत

लोनी/साहिबाबाद। ग्राम सिरोरा स्थित एक कुएं की 20 फीट गहरे गड्ढे की खुदाई के दौरान तीन मजदूर दब गए। एक मजदूर को दो घंटे बाद जेसीबी मशीन से बाहर निकाला गया। उसकी मौत हो गई। दो मजदूरों को समय रहते बाहर निकाल लिया था। तीनों मजदूर रटोल गांव के रहने वाले हैं। तीनों मजदूर 500 रुपये की दिहाड़ी पर काम करने के लिए आए थे। बागपत के रटोल गांव में तोहिद (40) परिवार के साथ रहते थे। वह मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी शाबाना, तीन लड़कियां और दो लड़के हैं। रटोर गांव में इकबाल और मोहसीन भी रहते हैं। तीन एक साथ मजदूरी पर जाते हैं। बृहस्पतिवार को तोहिद अपने दो साथियों इकबाल और मोहसीन के साथ लोनी के सिरोरा गांव में काम करने आए थे। एक मकान की भूमि पर बने पुराने कुएं की खुदाई का ठेका तीनों मजदूरों को मिला था। सुबह से ही तीनों मजदूर करीब 20 फीट गहरे कुएं को खोदने में लगे थे। तीनों ने करीब 10 फुट कुएं को खोद दिया था। शाम के समय खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी ढह गई। समय रहते इकबाल बाहर आ गए। मोहसीन और तोहिद मिट्टी में दब गए। इकबाल ने आसपास के लोगों को शोर मचाकर बुलाया। इकबाल ने मोहसीन के हाथ को देख लिया। मोहसीन को बचाने के लिए इकबाल गड्ढे में कूद गए और मोहसीन को बाहर निकाला। इस दौरान आसपास के लोग बाहर आ गए।

लोगों ने तोहिद को तलाश किया लेकिन वह कहीं नहीं दिखा। इस दौरान ग्रामीणों ने पास के गांव से जेसीबी मशीन को बुलाया। मशीन ने करीब दो घंटे में तोहिद को बाहर निकाला। तोहिद को लोनी दो नंबर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों ने तोहिद को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन लोनी पहुंचे। एसीपी शालीमार गार्डन शौर्यबली मोर्या ने बताया कि मामले में कोई तहरीर नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

बदमाशों का दुस्साहस, रात में पेंट कारोबारी की दुकान में लूट के लिए घुसे; लोगों को देख भागे

परिवहन विशेष न्यूज

पटेलनगर में गुरुद्वारा रोड पर बृहस्पतिवार रात साढ़े आठ बजे तीन बाइक सवार बदमाशों ने एक पेंट कारोबारी से दुकान में घुसकर लूटपाट का प्रयास किया। शोर होने पर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। बदमाशों के हमले से घायल पीड़ित संजय नगर स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती हैं। पीड़ित नीरज रस्तोगी की दुकान के ऊपर परिवार रहता है।

गाजियाबाद। पटेलनगर में गुरुद्वारा रोड पर बृहस्पतिवार रात साढ़े आठ बजे तीन बाइक सवार बदमाशों ने एक पेंट कारोबारी से दुकान में घुसकर लूटपाट का प्रयास किया। शोर होने पर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। बदमाशों के हमले से घायल पीड़ित संजय नगर स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती हैं।

पीड़ित नीरज रस्तोगी की दुकान के ऊपर परिवार रहता है। उनके मुताबिक एक बाइक पर सवार होकर तीन लोग उनकी दुकान पर आए थे। इनमें से दो दुकान के अंदर घुसे और पेट व पुट्टी का ऑर्डर दिया। साथ में 900 रुपये का भुगतान भी किया। वह पुट्टी दिलाने के लिए दुकान के पीछे गोदाम में दोनों को ले गए।

तीसरे बदमाश ने तुरंत दुकान का शटर किया बंद

तुरंत तीसरा बदमाश अंदर घुसा और दुकान का शटर बंद कर दिया। उन्होंने विरोध किया तो पहले आए दोनों बदमाशों ने उन्हें दबोचकर पिस्टल की बट से सिर पर कई बार कर दिए। शोर सुनकर दुकान के ऊपर घर में मौजूद उनकी पत्नी दौड़कर आईं। इसी दौरान दुकान के बाहर पहुंची एक महिला ने भी शोर मचा दिया और आसपास के लोग इकट्ठे हो गए।

मोबाइल और गोदाम की चाभी लेकर हुए फरार

नीरज की पत्नी के आने पर बदमाश उनका मोबाइल और गोदाम की चाभी लेकर फरार हो गए और अपनी बाइक छोड़ गए। नीरज के मुताबिक बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट लगाया था और दूसरे ने मास्क लगा रखा था। बदमाशों ने दुकान से सामान लूटने का प्रयास भी किया।

घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने नीरज को अस्पताल में भर्ती कराया है। स्वजन का कहना है कि नीरज का न तो किसी से झगड़ा है और न ही कोई लेन-देन का मामला है। स्वजन ने इसे लूट का प्रयास बताया है।

एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि नीरज का मोबाइल और गोदाम की चाबी दुकान के गेट से बरामद हो गई है। बाइक पर कोई नंबर प्लेट नहीं लगी है सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगाल रहे हैं। तहरीर मिलने पर थाना सिहानी गेट में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

जालसाजों से नहीं बच सका दारोगा, 60 हजार का मैसेज भेज अपने अकाउंट में ट्रांसफर कराए इतने रुपये; ये है मामला

परिवहन विशेष न्यूज

यूपी 112 के आपरेशन मिररिंग सेंटर में तैनात रेडियो उप निरीक्षक रविंद्र सिंह ने थाना कविनगर में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 19 जून को उन्हें अनजान नंबर से कॉल आया। ठग ने कहा कि उसे एक खाते में 60 हजार रुपये भेजने हैं लेकिन उसके खाते से पैसे नहीं जा रहे हैं। इसलिए वह रविंद्र सिंह के खाते में 60 हजार रुपये भेज रहा है।

गाजियाबाद। जालसाजों ने दारोगा के बैंक खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए। 60 हजार रुपये उनके खाते में क्रेडिट होने के फर्जी मैसेज भेजकर रकम अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। हैरानी की बात है कि दारोगा से हुई ठगी की रिपोर्ट दर्ज होने में भी दो माह का वक्त लग गया।

यूपी 112 के आपरेशन मिररिंग सेंटर में तैनात रेडियो उप निरीक्षक रविंद्र सिंह ने थाना कविनगर में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 19 जून को उन्हें अनजान नंबर से कॉल आया।

दारोगा के बेटे ने उठाया था फोन

बेटे राहुल ने फोन उठाया तो काल करने वाले ने खुद को मनोज कुमार बताया। उसने पूछा कि रविंद्र सिंह के बेटे बोल रहे हो तो राहुल को लगा कि कोई करीबी बोल रहा है।

ठग ने ऐसे फंसाया बातों के जाल में

ठग ने कहा कि उसे एक खाते में 60 हजार रुपये भेजने हैं, लेकिन उसके खाते से पैसे नहीं जा रहे हैं। इसलिए वह रविंद्र सिंह के खाते में 60 हजार रुपये भेज रहा है। इस रकम को उसने दूसरे खाते में भेजने को कहा। इसके बाद रविंद्र सिंह के फोन पर दो मैसेज आए इनमें उनके खाते में 35 और 25 हजार क्रेडिट होने की सूचना थी।

इस पर यकीन कर राहुल ने रविंद्र सिंह के खाते से ठग के बताए गए बैंक खाते में 50 हजार ट्रांसफर कर दिए। बाकी 10 हजार रुपये भी राहुल भेजने वाला था, लेकिन तभी पता चला कि रविंद्र सिंह के खाते में कोई भी रकम ट्रांसफर नहीं हुई है।

लगातार बढ़ रही लापरवाही

साइबर अपराध के मामलों में कमिश्नरेट पुलिस की लापरवाही से अपराधियों का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि वे पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाने लगे हैं। दारोगा रविंद्र सिंह ठगी में भी जांच के नाम पर दो माह तक यह केस साइबर सेल में लंबित रहा।

पूर्व में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें दो माह से लेकर दो साल बाद तक रिपोर्ट दर्ज हुई। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि साइबर सेल से मिली रिपोर्ट के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। खाते और मोबाइल नंबर को ट्रेस कर अपराधी का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

इंद्रप्रस्थ कॉलेज के बाहर गाड़ियों के शीशे तोड़कर 9 फोन और 50 हजार रुपये चोरी

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के बाहर पार्किंग स्थल से बृहस्पतिवार सुबह चोरों ने तीन गाड़ियों के शीशे तोड़कर छात्र-छात्राओं के 12 से अधिक फोन, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, कागजात और 50 हजार की नकदी चोरी कर ली। सभी एमबीए की परीक्षा देने आए थे। दिनदहाड़े चोरी की घटना से भड़के छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाया। छात्राओं ने पार्किंग में कैमरे नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की। सूचना के बाद लिंक रोड थाना पुलिस ने एक गार्ड को कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू की। क्रॉसिंग रिपब्लिक की सोसायटी के हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि एमबीए की परीक्षा देने के लिए कॉलेज में प्रवेश से पहले उन्होंने प्रबंधन से लॉकर के बारे में पूछा था लेकिन गार्ड ने मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने दोस्त की गाड़ी में फोन, पर्स, कागजात, 11 हजार की नकदी रख दी। इंदिरापुरम के वैभवखंड की जीसी ग्रैंड सोसायटी में रहने वाली छात्रा प्रणाली भार्गव का फोन, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, आधार कार्ड, कॉलेज के कागजात और एक हजार रुपये, दिल्ली मयूर विहार फेज-2 की अंकिता मेहरा की गाड़ी से चोरों ने दो दिन पूर्व नंबर प्लेट चोरी कर ली थी। इसके बाद गाड़ी का शीशा तोड़कर बैंक और गाड़ी के दस्तावेज व दो हजार रुपये, राजनगर एक्सटेंशन की अन्वेषा पांडेय के बैग, हेलमेट और दो हजार रुपये, शक्तिखंड इंदिरापुरम के तुषार कुमार की गाड़ी का शीशा तोड़कर नकदी और फोन चोरी कर लिया। दिव्या शर्मा, रिया, गौरवी, शुभम के बैग से डीएल, आधार कार्ड, छह फोन, पांच हजार रुपये, राजेंद्र नगर निवासी रोहित की थार गाड़ी से यश, सारांश, अभिषेक के फोन व 20 हजार से अधिक नकदी चोरी कर ली। शिकायतकर्ता छात्राओं का कहना था कि चोरों ने तीन गाडियों से 12 से अधिक फोन, दस्तावेज और 50 हजार की नकदी हाथ साफ कर लिया। लिंकरोड पुलिस को मामले में शिकायत दी है। कॉलेज के निदेशक डॉ. अजय कुमार का कहना था कि छात्र-छात्राओं के सामान रखने की व्यवस्था की थी। पार्किंग में एक गार्ड भी था। उसे एजेंसी के जरिए रखा गया था। छात्र-छात्राओं के चोरी हुए सामान का पैसा एजेंसी से दिलाया जाएगा। एसीपी साहिबाबाद भास्कर वर्मा का कहना है कि कॉलेज के बाहर गाड़ियों के शीशे तोड़कर फोन और नकदी चोरी की शिकायत मिली है।

सावन के गीतों पर झूमीं महिलाएं, हाथों में लगाई मेहंदी

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। शहर के सेक्टरों, सोसाइटी व क्लब में हरियाली तीज को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। दो दिन पहले बृहस्पतिवार को क्लब और सोसाइटी में महिलाओं ने मिलकर हरियाली तीज का उत्सव मनाया। इस दौरान वह उत्साह और आत्मविश्वास से भरपूर नजर आईं। तीज कार्यक्रमों में महिलाओं ने स्टॉल भी लगाए थे। इसमें विभिन्न प्रकार के कपड़े और आभूषण प्रदर्शित किए गए। रंगारंग कार्यक्रमों के अलावा महिलाओं ने कई प्रकार के खेलों में हिस्सा लिया और सावन के गीतों पर जमकर झूमीं।

सेक्टर-51 स्थित वेंडिग विला में संस्कृति दर्पण क्लब की महिलाओं ने पारंपरिक व आधुनिक तरीके से हरियाली तीज उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। तीज महोत्सव में महिलाओं ने सोलह श्रृंगार, नृत्य प्रतियोगिता, तंबोला समेत कई प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन किया। महिलाओं के क्लब की सदस्यों ने नगाड़े संग डोल बजाए, रंगीलो मारो डोलना, मेरी चूनर उड़ उड़ जाए आदि गीतों पर नृत्य कर समा बांध दिया। सभी महिलाओं ने मेहंदी लगावाई और एक दूसरे को हरियाली तीज की बधाई दी। इस दौरान सुमन बंसल, शोभा गुप्ता, सुधा, रुचि समेत महिलाएं मौजूद रहीं।

बंजारा स्टाइल में मनाया महोत्सव

नोएडा (संवाद)। सेक्टर-122 में उमंग व उत्साह के साथ महिलाओं ने हरियाली तीज का पर्व बंजारा स्टाइल में मनाया। इस उत्सव में सभी महिलाएं बंजारा वेशभूषा में सजी संवरी नजर आईं। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई। इसके बाद महिलाओं ने सावन के गीतों पर नृत्य किया और गेम भी खेले। झूला झूलकर लुत्फ उठाया। तीज क्वीन, नृत्य, मेंहदी आदि प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान स्वाति अग्रवाल, सरोज बाला, सीमा गर्ग, रजनी गोयल, अपर्णा अग्रवाल, अनीता चौहान, हेमा भारती, प्रियंका सिंह, अनिशा अग्रवाल, मिथिलेश अग्रवाल, केशर भाटी आदि मौजूद रही।

हरियाली तीज पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

नोएडा (संवाद)। एसोसिशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 की ओर से बृहस्पतिवार को नोएडा हाट में तीज महोत्सव का कार्यक्रम किया गया। महोत्सव में महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। महोत्सव का शुभारंभ नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने किया। सुधीर सिंह, केसी रावत, दिनेश भाटी, सुनील जैन, एसके सिंघल, एसपी चमोली समेत मौजूद रहे।

Mercedes-Benz को भारतीय कार बाजार से बहुत उम्मीदें, दिया ये बड़ा बयान

परिवहन विशेष न्यूज

मर्सिडीज-बेंज को उम्मीद है कि अगले तीन सालों में उसकी ईवी बिक्री कई गुना बढ़ जाएगी. इसके साथ ही, कंपनी 1 से 1.5 साल में 3 से 4 इलेक्ट्रिक व्हीकल्स लाने की प्लानिंग कर रही है.

लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज (Mercedes-Benz) भारत में बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (EV) बाजार पर बड़ा दांव लगा रही है, इसके साथ ही कंपनी को उम्मीद है कि अगले तीन सालों में कुल बिक्री में उसके ईवी कारोबार का हिस्सा 25 प्रतिशत होगा, जो अभी 3 से 4 प्रतिशत के बीच है लेकिन इसमें बढ़त देखी जा रही है. कंपनी की कुल बिक्री में ईवी का 25 प्रतिशत हिस्सा होने का मतलब है कि बिकने वाली हर 4 कारों में 1 कार ईवी होगी.

3 से 4 नए इलेक्ट्रिक व्हीकल्स

मर्सिडीज-बेंज (इंडिया) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने बताया कि कंपनी आने वाले 1 से 1.5 साल में 3 से 4 इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पेश करने की योजना बना रही है. उन्होंने कहा, ''भारत के लिए हमें लगता है कि जब भी नई कारें पेश होंगी, लोग इन्हें पसंद करेंगे. हम आने वाले 12 से 18 महीने में 3 से 4 नए इलेक्ट्रिक व्हीकल्स लाने के बारे में विचार कर रहे हैं.''

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा, ''अगले तीन सालों में हमें लगता है कि भारत में हमारी 25 प्रतिशत बिक्री इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की ही होगी.'' उन्होंने कहा, ₹इसलिए हमें धीरे-धीरे ही सही लेकिन निश्चित रूप से पैठ बढ़ानी चाहिए.

इलेक्ट्रिक कार बाजार पर टाटा का कब्जा

बता दें कि भारत में अभी सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें टाटा मोटर्स बेचती हैं. इलेक्ट्रिक कार बाजार में इसकी 80 प्रतिशत से भी ज्यादा की हिस्सेदारी है. हालांकि, कारों के मामले में इसकी और मर्सिडीज-बेंज की तुलना करना सही नहीं होगा क्योंकि दोनों कंपनियां अलग-अलग कस्टमर बेस को टारगेट करती हैं.

BYD भारत में जल्द पेश करेगी किफायती इलेक्ट्रिक कार? 10 लाख के आस-पास हो सकती है कीमत

BYD ने भारतीय बाजार में एक नए इलेक्ट्रिक वाहन के लिए ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने इसे BYD Seagull नाम दिया है। फिलहाल BYD Seagull के स्पेसिफिकेशन आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आए हैं। हालांकि सीगल को दो संस्करणों में पेश किए जाने की उम्मीद है। इनमें स्टैंडर्ड और लॉन्ग रेंज शामिल हैं। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। BYD ने भारतीय बाजार में एक नए इलेक्ट्रिक वाहन के लिए ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया है। इसे Seagull नाम दिया गया है और ये एक इलेक्ट्रिक हैचबैक है। फिलहाल, लॉन्च टाइमलाइन की पुष्टि नहीं हुई है। अगर इसे लॉन्च किया जाता है, तो सीगल BYD के लाइनअप में सबसे छोटी पेशकश होगी। इंडियन मार्केट में इसका मुकाबला Tata Tiago EV, MG Comet EV और Citroen eC3 से होने वाला है। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

BYD Seagull की संभावित कीमत

BYD ने अप्रैल में शंघाई 2023 मोटर शो में पहली बार आधिकारिक तौर पर Seagull का अनावरण किया था। ये ब्रांड का सबसे किफायती वाहन है इसलिए यह समझ में आता है कि BYD इसे भारतीय बाजार में लॉन्च करने पर विचार कर रही है। निर्माता ने घोषणा की है कि सीगल की कीमत 78,800 से 95,800 आरएमबी के बीच होगी जो लगभग 9 लाख से 11 लाख के बीच होती है।

स्पेसिफिकेशन, फीचर्स और रेंज

फिलहाल, BYD Seagull के स्पेसिफिकेशन आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आए हैं। हालांकि, सीगल को दो संस्करणों में पेश किए जाने की उम्मीद है। इनमें स्टैंडर्ड और लॉन्ग रेंज शामिल हैं। पहला वेरिएंच 76 बीएचपी इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आएगा जो 30 kWh बैटरी पैक द्वारा संचालित होगा। एक बार चार्ज करने पर इसके 305 किमी तक चलने की उम्मीद है। बड़े बैटरी पैक की क्षमता 38 kWh होगी, जो लगभग 405 किमी की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम होनी चाहिए। यह एक अधिक शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आएगा, जो लगभग 98 बीएचपी देने में सक्षम होना चाहिए।

अन्य BYD वाहनों की तरह, सीगल का डिजाइन भी बहुत यूनिक है। ये कॉम्पैक्ट दिखती है, इसका डिजाइन लंबा है और साथ ही ये काफी आक्रामक भी है। साइड प्रोफाइल से देखने पर बोनट और विंडशील्ड में निर्बाध ढलान है। हेडलैम्प्स का डिजाइन आक्रामक है और दिलचस्प बात यह है कि विंडशील्ड के लिए केवल एक वाइपर है। किनारों पर अलॉय व्हील, फ्लश सिटिंग दरवाजे के हैंडल और प्लास्टिक क्लैडिंग हैं। आगे और पीछे के बंपर काफी आक्रामक तरीके से डिजाइन किए गए हैं और पीछे के टेल लैंप काफी पतले हैं। एक किफायती कार होने के बावजूद, BYD पीछे की ओर एक लाइट बार की पेशकश कर रही है।

Ola ने 4 इलेक्ट्रिक कॉन्सेप्ट मोटरसाइकिलें पेश कीं: वो सब कुछ जो आप जानना चाहते हैं

बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, Ola Electric ने आखिरकार इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में प्रवेश कर लिया है। कंपनी ने हाल ही में अपने उद्घाटन ग्राहक दिवस लाइव इवेंट के दौरान चार नई इलेक्ट्रिक मोटरबाइकों का अनावरण किया। पेश की गई चार नई बाइक्स को Cruiser, एडवेंचर, रोडस्टर और डायमंडहेड नाम दिया गया है। ये बिल्कुल नई बाइकें भारत में तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक मोटरबाइक बाजार में प्रवेश करने के कंपनी के प्रयास को दर्शाती हैं।

Ola Electric ने अपनी पहली ईवी मोटरसाइकिल Cruiser का अनावरण किया। यह भारत में ईवी Cruiser बाइक के शुरुआती अनावरणों में से एक है। Ola Electric का क्रूज़र अपनी चिकनी बॉडी लाइनों की विशेषता वाले आरामदायक रुख को प्रदर्शित करता है। Cruiser पर राइडर और पिलियन सीटें सहजता से विलीन हो जाती हैं, जो एक चिकना और आधुनिक स्वरूप प्रस्तुत करती हैं। कंपनी के अनुसार, Cruiser 200-250 किमी की अनुमानित रेंज पेश करेगा, जिससे यह शहर के आवागमन और छोटी सड़क यात्राओं दोनों को पूरा करने में सक्षम होगा। विशेष रूप से, क्रूज़र में सिंगल स्विंग-आर्म रियर व्हील और यूएसडी फोर्क से सुसज्जित फ्रंट व्हील है, जिनकी माप क्रमशः 17 इंच और 19 इंच है।

लाइनअप में अगला Ola Electric Adventure मॉडल है, जिसे विशेष रूप से ऑफ-रोड उत्साही लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह ऑफ-रोड मॉडल देश के उन उत्साही लोगों के लिए तैयार किया गया है जो ऑफ-रोडिंग का आनंद लेते हैं। एडवेंचर मॉडल एक प्रभावशाली और सीधा रुख पेश करता है, जो ऊबड़-खाबड़ इलाकों के लिए तैयार किया गया है। ऑफ-रोड मॉडल हैंडलबार पर केंद्र में स्थित 5-इंच डिजिटल डिस्प्ले से सुसज्जित होगा। इसके अतिरिक्त, Ola Electric Adventure में अज्ञात इलाकों से निपटने के लिए 19-इंच के फ्रंट व्हील और 17-इंच के रियर व्हील की सुविधा होगी।

Ola Electric EV मोटरबाइक लाइनअप में तीसरा रोडस्टर मॉडल है। यह मॉडल लाइनअप में सबसे विशिष्ट बाइक में से एक है, जिसमें एक डिकंस्ट्रक्टेड डिज़ाइन है जो इसे भारत में वर्तमान में उपलब्ध अन्य आईसीई नग्न स्ट्रीट फाइटर्स से अलग करता है। कंपनी के मुताबिक इस मॉडल को रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। रोडस्टर डुअल-डिस्क फ्रंट ब्रेक सेटअप और सिंगल-डिस्क रियर ब्रेक सेटअप से लैस है। इसमें मोबाइल फोन कनेक्टिविटी को शामिल करने की संभावना वाला 5 इंच का डिस्प्ले भी है। रोडस्टर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि यह 15 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित की गई एकमात्र बाइक थी।

अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि Ola Electric ने लाइव इवेंट के दौरान अपनी प्रमुख अवधारणा डायमंडहेड का अनावरण किया। यह मॉडल देश में सबसे अनोखी बाइक डिज़ाइनों में से एक प्रस्तुत करता है, जो इसकी सीधी और मजबूत रेखाओं के साथ-साथ बोल्ड डिज़ाइन विकल्पों की विशेषता है। यह मॉडल Tesla के आगामी Cybertruck की याद दिलाते हुए एक अत्यधिक भविष्यवादी उपस्थिति पेश करता है। डायमंडहेड को सुपर स्पोर्ट्स बाइकिंग सेगमेंट पर लक्षित किया गया है और यह एक शंक्वाकार फ्रंट, एक डिजिटल डैशबोर्ड और एक विशिष्ट डिजाइन भाषा को प्रदर्शित करता है जो सामूहिक रूप से एक अद्वितीय सवारी अनुभव में योगदान देता है। आगे के पहिये में दोहरी डिस्क है, जबकि पिछले पहिये में एक सिंगल डिस्क है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कंपनी ने इस समय किसी भी बाइक के लिए ड्राइवट्रेन जानकारी का खुलासा नहीं करने का फैसला किया है, यह दर्शाता है कि ये बाइक खरीद के लिए तुरंत उपलब्ध नहीं होंगी। हालाँकि, इसकी अत्यधिक संभावना है कि ये मॉडल लॉन्च होने के बाद देश में ईवी मोटरबाइक सेगमेंट में हलचल मचा देंगे।

अंग्रेजों की धरती पर राम कथा के मायने

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

ब्रिटेन के कैमब्रिज विश्वविद्यालय में आजकल रामकथा हो रही है। इसमें ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका के अतिरिक्त अन्य अनेक देशों से श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। कैमब्रिज विश्वविद्यालय में राम कथा शायद पहली बार हो रही है। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि जिस संस्थान में कथा हो रही है उसका नाम यीशु कालेज है।

ऋषि सुनक को उनकी पार्टी के किसी नेता ने नहीं कहा कि आप मुरारी बापू की कथा में क्यों गए थे? विपक्षी दलों की ओर से नरेन्द्र मोदी पर सबसे बड़ा आरोप यही है कि वे मंदिरों में जाते हैं। सबसे बढ़ कर अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए किए गए शिलान्यास में भाग लेने के लिए जाने पर उन्हें घेरा गया। नेहरु सरदार पटेल से खफा थे कि वे महमूद गजनवी द्वारा ध्वस्त किए गए सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण क्यों करवा रहे हैं। इतने साल बीत जाने के बाद भी कांग्रेस उसी स्थान पर खड़ी है। नरेन्द्र मोदी बाबर द्वारा ध्वस्त कर दिए गए राम मंदिर का पुनर्निर्माण क्यों करवा रहे हैं? इंग्लैंड के लिए जो सहज है वह भारत में आपत्तिजनक क्यों है? भारत के सबसे पुराने दल का लालन-पालन विदेशी मानसिकता में हुआ'

ब्रिटेन के कैमब्रिज विश्वविद्यालय में आजकल रामकथा हो रही है। इसमें ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका के अतिरिक्त अन्य अनेक देशों से श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। कैमब्रिज विश्वविद्यालय में राम कथा शायद पहली बार हो रही है। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि जिस संस्थान में कथा हो रही है उसका नाम यीशु कालेज है। 12 अगस्त से शुरू हुई यह रामकथा 19 अगस्त तक चलेगी। कथा मोरारी बापू कर रहे हैं। मोरारी बापू अपनी राम कथा के लिए भारत भर में जाना पहचाना नाम है। पन्द्रह अगस्त को उनके श्रोताओं में एक ऐसा श्रोता भी आया जिसकी किसी ने आशा नहीं की थी। मोरारी बापू की राम कथा सुनने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बैठे थे। सुनक का मोरारी बापू ने स्वागत किया और उन्हें प्रसाद दिया। उन्हें सोमनाथ का शिवलिंग दिया, जिसे सुनक ने श्रद्धापूर्वक स्वीकार कर माथे पर लगाया। सुनक ने स्वयं तो प्रसाद लिया ही, वहां बैठे लोगों को प्रसाद बांटा भी। सुनक ने उपस्थित श्रोताओं को जय सिया राम सम्बोधन से सम्बोधित भी किया।

उन्होंने कहा कि हिन्दू आस्था मेरा व्यक्तिगत मामला है। यही आस्था मुझे मेरे जीवन के विभिन्न पड़ावों पर दिशा देती है। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री होना मेरे लिए गौरव की बात है। लेकिन यह पद अनेक चुनौतियों से भी भरा हुआ है। कई बार कठिन निर्णय लेने होते हैं। लेकिन ऐसे समय में मेरी आस्था ही मुझे सम्बल देती है। उन्होंने कहा कि 2020 का वह दिन मेरे लिए आज भी अविस्मरणीय है जब मैंने दिवाली के दिन प्रधानमंत्री के सरकारी

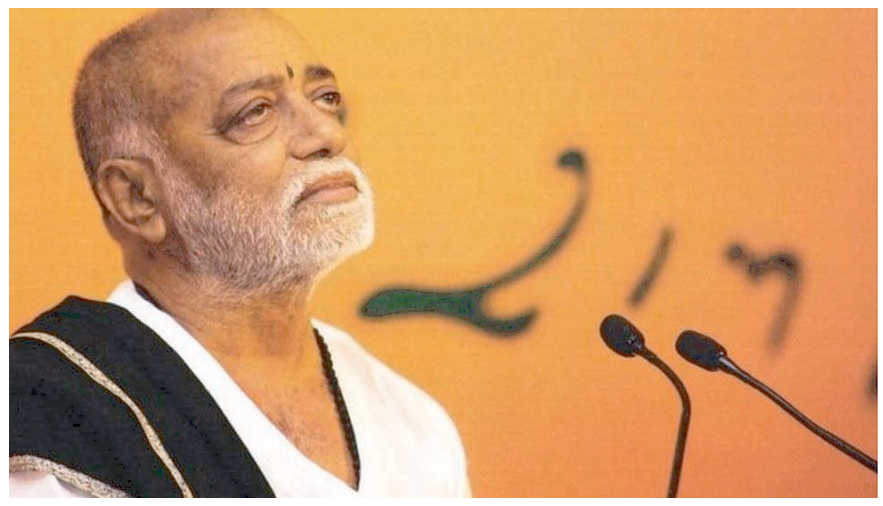

आवास 10 डाऊनिंग स्ट्रीट के बाहर दीये जलाए। यह संयोग था कि सुनक जिस दिन रामकथा सुनने पहुंचे वह दिन भारत का अंग्रेजों की दासता से मुक्ति का दिन था। अनेक श्रोता तिरंगा झंडा फहरा रहे थे। मोरारी बापू अपनी कथा में व्यास आसन के पीछे हनुमान जी की सुनहरी मूर्ति रखते हैं। सुनक ने बताया कि मैं भी अपने कार्यालय में अपने मेज पर सदा गणेश जी की मूर्ति रखता हूं। इससे मुझे प्रेरणा मिलती है। सुनक ने कहा कि मैं यहां प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि एक सनातनी हिन्दू के तौर पर आया हूं।

उन्होंने कहा मैं सदा राम कथा स्मरण रखूंगा। मैं सदा भगवद्गीता और हनुमान चालीसा भी स्मरण रखता हूं। संकट का साहसपूर्वक सामना करने, नम्रता से सरकार चलाने और निस्वार्थ भाव से कार्य करने की प्रेरणा मुझे राम से ही मिलती है। कार्यक्रम के अन्त में सुनक ने आरती में भाग लिया। ऋषि सुनक हवन करते हैं, मंदिरों में जाते हैं और अपने प्रैकटाजिंग हिन्दू होने को कभी छिपाते नहीं हैं। सामान्य तौर पर कहा जा सकता है किसी व्यक्ति के हिन्दू होने और मंदिर वगैरह में जाने में ऐसी क्या बात है जिस पर इतना आश्चर्य चकित हुआ जाए। दरअसल ऋषि सुनक जिस देश के प्रधानमंत्री हैं वह ईसाई देश है। उस देश में हिन्दुओं की संख्या आटे में नमक के बराबर है। वहां के लोग केवल ईसाई ही नहीं हैं बल्कि जिसको आज की भाषा में पोंगापन्थी ईसाई कहा जाता है, उसी किस्म के ईसाई हैं। वहां का राजा ईसाई ही हो सकता है। यदि राजा के आसन का उत्तराधिकारी अपना मजहब बदल लेता है तो वह राजा नहीं बन सकता। जिस लोकसभा सीट से सुनक जीत कर आते हैं, वह तो है ही ईसाई बहुल सीट। लेकिन इस सबके बावजूद इंग्लैंड में ऋषि सुनक के राम कथा में जाने पर कोई हो-हल्ला नहीं मचा। किसी ने ऋषि सुनक के पूजा पाठ करने पर एतराज नहीं किया। लेकिन भारत में स्थिति इसके विपरीत है। यदि यहां के प्रधानमंत्री किसी मंदिर में जाते हैं तो अन्य दल हो-हल्ला मचाना शुरू कर देते हैं। उनके मुताबिक इससे सेक्लुरिजम खतरे में पड़ जाता है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु इस प्रकार की आस्थाओं और सार्वजनिक रूप से उनका निर्वाह करने की सार्वजनिक रूप से निन्दा किया करते थे।

इस प्रकार की दो घटनाएं तो इतिहास का हिस्सा बन गई हैं। भारत के राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद कुम्भ के मेले में भाग लेने के लिए गए थे। नेहरु ने इसके लिए उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन राजेन्द्र प्रसाद नहीं रुके। तब नेहरु ने उनकी सार्वजनिक रूप से भत्र्सना की। दूसरी घटना भी नेहरु और डा. राजेन्द्र प्रसाद से ही ताल्लुक रखती है। महमूद गजनवी द्वारा खंडहर बना दिए गए सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण सरदार पटेल ने करवाया था। उन्होंने उसका उद्घाटन करने के लिए राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद को निमंत्रित किया। राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार कर लिया। नेहरु को इसका पता चला। उन्होंने फिर राष्ट्रपति को रोका। राजेन्द्र प्रसाद का कहना था कि वे इस समारोह में व्यक्तिगत हैसियत से भाग लेंगे। नेहरु का कहना था कि राष्ट्रपति का कुछ व्यक्तिगत नहीं होता। लेकिन राजेन्द्र प्रसाद नहीं माने और मंदिर का उद्घाटन करने के लिए सोमनाथ गए। नेहरु और तो कुछ नहीं कर पाए। खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे। उन्होंने आकाशवाणी को आदेश दिया कि मंदिर के बारे में उद्घाटन अवसर पर दिया गया राष्ट्रपति का भाषण प्रसारित न किया जाए। आकाशवाणी ने यही किया। नेहरु को इन सबसे सेक्यलुरिजम को खतरा लगता था। ताज्जुब है कि इंग्लैंड को उनके प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के मंदिर में जाने, आरती करने, मुरारी बापू को प्रणाम करने से सेक्युलरिजम को खतरा दिखाई नहीं देता। अभी कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश के एक बड़े कांग्रेस नेता कमल नाथ बागेश्वर धाम की हनुमान कथा में चले गए थे।

उन्होंने वहां कथा कर रहे शास्त्री जी का सम्मान किया और आरती में भी हिस्सा लिया। उसी से कांग्रेस में हडक़म्प मचा हुआ है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के महासचिव रह चुके दिग्विजय सिंह झाग छोड़ रहे हैं। ऋषि सुनक को उनकी पार्टी के किसी नेता ने नहीं कहा कि आप मुरारी बापू की कथा में क्यों गए थे? विपक्षी दलों की ओर से नरेन्द्र मोदी पर सबसे बड़ा आरोप यही है कि वे मंदिरों में जाते हैं। सबसे बढ़ कर अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए किए गए शिलान्यास में भाग लेने के लिए जाने पर उन्हें घेरा गया। नेहरु सरदार पटेल से खफा थे कि वे महमूद गजनवी द्वारा ध्वस्त किए गए सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण क्यों करवा रहे हैं। इतने साल बीत जाने के बाद भी कांग्रेस उसी स्थान पर खड़ी है। नरेन्द्र मोदी बाबर द्वारा ध्वस्त कर दिए गए राम मंदिर का पुनर्निर्माण क्यों करवा रहे हैं? इंग्लैंड के लिए जो सहज है वह भारत में आपत्तिजनक क्यों है? भारत के सबसे पुराने राजनीतिक दल का लालन-पालन और शिक्षा-दीक्षा ब्रिटेन की उपनिवेशवादी चेतना में हुई है। वह अभी तक उस उपनिवेशवादी गुलामी से मुक्त नहीं हो सका है। वह अभी तक उन्हीं अवधारणाओं को पाल रहा है जिनकी रचना ब्रिटेन ने केवल अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए की थी। इन अवधारणाओं का भारतीय चेतना में कोई स्थान नहीं है। लेकिन अपने बुढ़ापे में भी यह दल उनको छोड़ नहीं पा रहा है। यही कारण है कि यह दल जनता में अपना बहुमत खो चुका है।

संपादक की कलम से

'इंडिया' में अविश्वास!

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में दरारें और अविश्वास के भाव पनपने लगे हैं। देश की मौजूदा राजनीति के मद्देनजर यह गठबंधन बेहद जरूरी और प्रासंगिक है, लिहाजा किसी भी दरार के उभरने पर उसका विश्लेषण भी अनिवार्य है। भारत में राजनीतिक गठबंधनों की नियति यही रही है कि वे बनते हैं, क्योंकि उन्हें टूटना होता है। वे टूटते हैं, क्योंकि फिर बनना होता है। सियासी गठबंधन का कोई भी 'स्थायी भाव' नहीं होता। शरद पवार देश के रक्षा और कृषि मंत्री रह चुके हैं। वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं। एक दौर था कि उनका नाम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पद के लिए भी चर्चा में रहता था। यह दीगर है कि उनकी पार्टी इतनी छोटी है कि वह कभी इन पदों तक पहुंच ही नहीं सके और न ही संभव था। अलबत्ता वह भाजपा में आ जाएं, तो विचार किया जा सकता है, लेकिन वह देश के प्रधानमंत्री कभी भी नहीं बन सकते। ऐसे वयोवृद्ध और अनुभवी नेता पर शिवसेना (उद्धव) और कांग्रेस के वे नेता सवाल कर रहे हैं, जो नौसीखिया जमात के हैं और विपक्षी गठबंधन के धागे बुनने में जिनका रत्ती भर भी योगदान नहीं है। दिल्ली में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा ने मीडिया को सार्वजनिक तौर पर ब्रीफ किया कि कांग्रेस नेतृत्व ने दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर चुनावी तैयारी के निर्देश दिए हैं, जाहिर है कि पार्टी सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। यह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के प्रादेशिक नेताओं ने एक बैठक में तय किया। तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी, लिहाजा दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज और आम आदमी पार्टी (आप) की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने गठबंधन के औचित्य पर सवाल उठा दिए। यह भी कहा कि 'इंडिया' की मुंबई बैठक में शामिल होने का मतलब ही क्या है? अलबत्ता उन्होंने अंतिम फैसला मुख्यमंत्री केजरीवाल पर छोड़ दिया। दूसरी तरफ महाराष्ट्र के भीतरघात हैं। वहां उपमुख्यमंत्री अजित पवार और दिग्गज नेता शरद पवार की मुलाकात पुणे के एक उद्योगपति के आवास पर हुई। इससे पहले भी दो-तीन मुलाकातें हो चुकी थीं। शरद पवार उपमुख्यमंत्री के सगे चाचा हैं और पवार परिवार में पिता-तुल्य हैं, लिहाजा ऐसी मुलाकातें स्वाभाविक हैं। एनसीपी में बगावत और विभाजन के बाद ये मुलाकातें हुई हैं। उद्धव ठाकरे की पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में इन मुलाकातों के मद्देनजर संपादकीय तक लिख दिया गया कि शरद पवार भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने संभावनाओं का पिटारा ही खोल दिया कि अजित के जरिए शरद पवार भाजपा-एनडीए में जा सकते हैं। उन्हें केंद्रीय कृषि मंत्री या नीति आयोग का उपाध्यक्ष बनाने की पेशकश दी गई है। शरद की सांसद-पुत्री सुप्रिया सुले को भी केंद्रीय मंत्री बनाया जा सकता है। हालांकि शरद और सुप्रिया ने पेशकश की अफवाहों का खंडन किया है और भाजपा को 'सांप्रदायिक और दरारें पैदा करने वाली' पार्टी करार देकर उसके खिलाफ 'राजनीतिक संघर्ष' का संकल्प भी दोहराया है, लेकिन शरद पवार फिर भी सवालिया हैं। दरअसल पार्टी में दोफाड़ होने के बाद शरद पवार की ताकत भी विभाजित हुई है। उनकी पार्टी का नाम और निशान का मामला चुनाव आयोग के विचाराधीन है, लेकिन जिन नेताओं के प्रयासों से 'इंडिया' गठबंधन अस्तित्व में आया है, उनमें शरद पवार भी शामिल हैं। उन्हें कमोबेश महाराष्ट्र की राजनीति का 'पुराना चाणक्य' माना जाता है। यदि भ्रम और पालाबदल के सवाल और संदेह पैदा होते रहेंगे, तो विपक्ष का कोई भी गठबंधन लामबंद कैसे रह सकता है? जहां तक 'आप' का सवाल है, तो उसका उदय ही कांग्रेस का जनाधार छीनने की राजनीति के साथ हुआ है। 'आप' और कांग्रेस का किसी भी स्तर पर गठजोड़ 'अप्राकृतिक' है। बंगाल और तमिलनाडु में भी 'इंडिया' के आपसी अविश्वास उभरने लगे हैं। बहरहाल मुंबई बैठक की प्रतीक्षा की जाए।

राय

कांगड़ा को नेता की तलाश

सत्ता में अभिशप्त होता आ रहा प्रदेश का सबसे बड़ा जिला कांगड़ा और इसके अधिकांश नेताओं के लिए अब खुद को साबित करने की नौबत आ गई है। हम इसे केवल एक पार्टी तक नहीं देख सकते, बल्कि यह मर्ज इस घर की दीवारों पर पूरी सियासत के लिए चस्पां है। दोषारोपण कांगड़ा पर भी है और यहां की जनता पर भी कि उसे नेता और विधायक में फर्क नज़र नहीं आता। भले ही हर सरकार में सबसे अधिक विधायक बनाने की निपुणता में कांगड़ा मेहनत कर लेता है, लेकिन सत्ता का नेता बनाने में यह जिला पूरी तरह पिछड़ा हुआ है। अन्य जिला विधायक से कहीं अधिक नेता बना रहे हैं। मंडी ने जयराम ठाकुर को नेता बनाया तो पिछले विधानसभा चुनाव में पूरा जिला भाजपा के पक्ष में खड़ा हो गया। हमीरपुर ने लगातार तीसरी बार और शिमला ने बार नेता बनाकर मुख्यमंत्री का पद सौंप दिया। कांगड़ा ने सबसे अधिक विधायक सौंपे न कि नेता बनाकर किसी को मुख्यमंत्री बनाने का श्रम किया। यह समझने की जरूरत है कि पिछली बार अगर प्रेम कुमार धूमल को सुजानपुर की जनता नेता के रूप में चुन लेती, तो राज्य की राजनीति का शृंगार क्या होता। प्रदेश की राजनीति अब इस कोशिश में है कि कांगड़ा में भले ही विधायक बढ़ जाएं, लेकिन किसी को नेता न बनने दिया जाए। इसके लिए अतीत से लेकर वर्तमान की साजिशें मशरूफ रही हैं। एक समय ऐसा भी आया जब कांगड़ा को तोडऩे के लिए विधायकों को मोहरा बना दिया, जबकि उन चेहरों को लगा कि वे इस बहाने नेता बन जाएंगे।

आज देहरा को जिला बनाने वाले रमेश धवाला कहां हैं। नूरपुर का झंडा उठाने वाले राकेश पठानिया कहां हैं। पालमपुर का ताज पहनकर कांगड़ा के टुकड़ों में राज करने वाले रविंद्र सिंह रवि कहां हैं। क्या ये लोग सत्ता की भागीदारी में नेता बन पाए या खुद को सहेज पाए। हैरानी यह कि आज तक जो कांगड़ा का नेता साबित होकर, सियासत का वजनदार चेहरा माना गया, वह शांता कुमार भी पालमपुर की गलियों में नगर निगम या विधायक के चयन में ही हार गए। ऐसा नहीं है कि कांगड़ा में नेता नहीं हो सकते थे, लेकिन कई सत्ता के चमचे और कई व्यक्तिगत उत्कंठा के सदके खत्म हो गए। विडंबना ऐसी हो गई कि कांगड़ा की संपूर्णता में कोई विधायक या मंत्री बनकर भी साबित नहीं हुआ। यह ऐसा जिला है जहां केंद्रीय विश्वविद्यालय को बांट कर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कोई 'नेता' बनता गया। अगर ऐसा न होता, तो सबसे पहले प्रदेश की फोरलेन इसे जोड़ती, बीबीएन की तरह औद्योगिक नगर यहां होता, अब तक गगल एयरपोर्ट का विस्तार हो गया होता या आजादी से पहले की रेल पटरी अब तक ब्रॉडगेज हो गई होती। विडंबना यह है कि अब फिर कांगड़ा के विधायक खुद में 'नेता' नहीं ढूंढ रहे, बल्कि विधायकों के रूप में एक-दूसरे को गिरा रहे हैं। सोशल मीडिया पर सुजानपुर के विधायक राजिंद्र राणा की अभिव्यक्ति पर धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा की दाद पर खुजली अगर कांगड़ा को ही होने लगेगी, तो यह समझ लेना होगा कि यहां 'नेता' होने के लिए अभी सदियां लगेंगी। जिस तरह लगभग फटकार देते हुए मंत्री चंद्र कुमार ने एक छोटा सा पटाखा फोड़ा, उसके मायनों में वह कम से कम कांगड़ा का नेता होने का भ्रम नहीं पाल सकते। यह इसलिए भी क्योंकि चंद्र कुमार घर के चिराग यानी पूर्व सीपीएस नीरज भारती ने ही यह दिखा दिया कि कांगड़ा का नेता बनने के लिए उन्हें विधायकों पर तंज कसने के बजाय जिला के सुशासन, विकास और अनुशासन पर कहीं अधिक ध्यान देना होगा। आश्चर्य है कि जिला के एकमात्र मंत्री केवल बेटे द्वारा दी गई नसीहत को 'बाप और बेटे के बीच जूते की पैमाइश' तक ही देख रहे हैं, जबकि नीरज भारती के कम से कम इस बयान को कांगड़ा समझ जरूर रहा है। नसीहत भाजपा के हलके से भी आ रही है। प

प्राकृतिक आपदाओं को निमंत्रण देता मानव

इस तरह की मानसिकता लिए आधुनिक मनुष्य अंध निर्माण की इबारतें लिखने में व्यस्त हो जाता है। उसे नहीं मालूम कि उसके जीवन काल में ही या उसके रहने के बाद उसके द्वारा किए गए अप्राकृतिक निर्माण से कितने लोगों, जीव-जंतुओं का जीवन जीना दूभर हो जाएगा। वैज्ञानिक खोजों ने निर्माण कार्य की तकनीक में अभूतपूर्व उन्नति की है। वर्षों का काम दिनों में पूर्ण हो जाता है, किंतु यह मशीनें जिस तरह से भूमि को झकझोर करके रख देती हैं, उसका खामियाजा ये फोरलेन और उन पर सफर करने वाले लोग वर्षों तक भोगते रहते हैं। प्रकृति का अंधाधुंध दोहन ठीक नहीं है'

77वें स्वतंत्रता दिवस की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व 13 अगस्त 2023 की रात्रि को भयावह प्राकृतिक आपदा ने पहाड़ी प्रदेशों में असंख्यों को अपने आगोश में समाहित कर लिया, जो बहुत दुखद है। दुख की इस घड़ी में सभी प्रदेशवासी स्तब्ध हैं। कहीं न कहीं हम सभी इस प्राकृतिक आपदा का आह्वान करने में संलिप्त रहे हैं। फोरलेन के निर्माण के दौरान वृक्षों का अंधाधुंध कटान। इन पेड़ों के कटान की भरपाई न होना। वर्षा ऋतु के समापन पर विभाग द्वारा पौधारोपण करने की केवल मात्र औपचारिकता किया जाना। फोरलेन का निर्माण यद्यपि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए किया जाता है। इस निर्माण के दौरान सडक़ में लगाए गए डंगे मलबे के ऊपर टिकाए गए हैं। आवागमन पहले भी इतना बाधित नहीं था। यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चली रहती थी, किंतु आधुनिकता की दौड़ में शीघ्र मंजिल पर पहुंचने की लालसा ने सब कुछ ध्वस्त करके रख दिया है।

प्राकृतिक आपदा ऐसे ही नहीं आती, उसे निमंत्रण दिया जाता है। निमंत्रण देने वाले अपने निजी स्वार्थ को ही सर्वोपरि रखते हैं। थोड़े से लाभ के लिए वे असंख्याओं को मौत के घाट उतारने में अपनी भागीदारी निश्चित करते हैं। कुछ प्रशिक्षित अभियंता ठेकेदारों के प्रलोभन की चपेट में आकर अपना ईमान दाव पर लगा देते हैं। समय आने पर सब कुछ भूलने के लिए प्रयासरत रहते हैं। यदि उनसे बात की जाए, उनका कहना भी ऐसा ही रहता है कि प्रकृति के साथ सभी खिलवाड़ कर रहे हैं, उनके कहने से भी ऐसा ही प्रतीत होता है कि वे सबसे अधिक प्रकृति प्रेमी हैं, प्रकृति का विनाश वे बिल्कुल भी नहीं चाहते। नदियों के किनारे बनी सडक़ें, इन सडक़ों के निर्माण के दौरान जितना भी मलवा निकलता है, बेरोकटोक इन नदियों में डाल दिया जाता है। नदियां अपना बहाव परिवर्तित कर देती हैं। पानी को तो स्थान चाहिए। नदियों के बहाव बदलते हैं, तब प्रकृति मुंह खोले हुए भूखे बाघ की तरह सब कुछ निगल लेती है। नेता, अभिनेता, देश के अन्य नागरिक ऐसे दुखदाई अवसरों पर संवेदना व्यक्त करते हैं। आर्थिक मदद करते हैं, किंतु क्या उन परिजनों को वापस लाने में कोई मदद कर सकते हैं? नहीं! कभी नहीं! बच्चे अनाथ हो जाते हैं। माता-पिता संतान होते हुए संतानविहीन हो जाते हैं। उनके क्रंदन कौन सुनता है? कुछ दिन, महीनों तक सामाजिक एवं राजनीतिक संवेदना बनी रहती है। समय के साथ-साथ सभी कुछ समाप्त हो जाता है। रह जाते हैं वे परिजन जो

पीछे छूट जाते हैं। सभी पर्यावरणीय संरक्षण की चिंता करते हैं, परंतु पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी कभी भी सुनिश्चित नहीं करते। ये नदी-नाले समुद्र तक प्लास्टिक कचरे का अंबार बहाकर ले जाते हैं। ये प्लास्टिक कचरा और ई-कचरा जल जीवों के जीवन को दूभर कर रहा है।

कितने जल जीव ऐसे हैं, कितनी जलजीवों की प्रजातियां ऐसी हैं जो इस प्लास्टिक कचरे के कारण विलुप्त हो रही हैं। इनकी ओर किसी का कोई ध्यान नहीं है। बस आधुनिक बने रहते हैं। चिप्स, कुरकुरा, शीतल पेय, मिनरल वाटर की 200 मीटर से लेकर 500 मिलीलीटर तक की बोतलें धड़ाधड़ बाजार में बिकती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्लास्टिक का सामन। सभी अपनी शान समझ कर शादी-विवाह एवं पार्टियों में उनका उपयोग करते हैं। प्लास्टिक कचरा बाद में कहां फेंक दिया जाता है, किसी को चिंता नहीं होती। प्राकृतिक विनाश के लिए पूरे संसार के लोग किसी न किसी रूप में उत्तरदायी हैं। बालकृष्ण शर्मा नवीन अपनी कविता 'विप्लव गायन' में लिखते हैं- 'प्राणों के लाले पड़ जाए त्राहि-त्राहि रव नभ में छाए, नाश और सत्यनाशों का धुआंधार जग में छा जाए, कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ जिससे उथल-पुथल मच जाए, एक हिलोरा इधर से आए एक हिलोर उधर से आए।' उनका मानना था कि इस संसार के लोग सुधरने वाले नहीं हैं। इसलिए वे सृष्टि का आह्वान करते हैं कि इन्हें सद्बुद्धि दो। जो नई संतानें आएं, वे इस प्रकृति का महत्व समझें। घटनाएं घटित होने के उपरांत कुछ दिनों तक सभी कुछ सही रहता है, लोग सहमे-सहमे रहते हैं। उसके बाद वैसा ही अतिक्रमण, वैसा ही निर्माण। नदी-नालों के पास सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया जाता है कि उन्हें कौन देख रहा है?

उन्हें कौन रोकने वाला है? इस तरह की मानसिकता लिए आधुनिक मनुष्य अंध निर्माण की इबारतें लिखने में व्यस्त हो जाता है। उसे नहीं मालूम कि उसके जीवन काल में ही या उसके रहने के बाद उसके द्वारा किए गए अप्राकृतिक निर्माण से कितने लोगों, जीव-जंतुओं का जीवन जीना दूभर हो जाएगा। वैज्ञानिक खोजों ने निर्माण कार्य की तकनीक में अभूतपूर्व उन्नति की है। वर्षों का काम दिनों में पूर्ण हो जाता है, किंतु यह मशीनें जिस तरह से भूमि को झकझोर करके रख देती हैं, उसका खामियाजा ये फोरलेन और उन पर सफर करने वाले लोग वर्षों तक भोगते रहते हैं। प्रकृति ने मनुष्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सब कुछ पर्याप्त मात्रा में दिया था, किंतु मनुष्य के लालच की भरपाई प्रकृति पूर्ण करने में असमर्थ है। हम स्वतंत्रता की 77वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। क्या यही स्वतंत्रता के मायने थे कि अंध निर्माण किए जाओ और भूमि को जर्जर बनाए जाओ? क्या यही स्वतंत्रता का पाठ है? यदि ऐसा ही चलता रहा तो प्रत्येक बरसात में असंख्य लोगों को असामयिक मौत का शिकार होना पड़ेगा।

डा. राजन तनवर

चिंतन

नंगई के मजे!

गांव में थे तो कुएं पर नहाना होता था। चूंकि खुले में नहाते थे तो स्वाभाविक तौर पर अण्डर गारमेंट्स पहन कर नहाना होता था। इससे एक हया, शर्म और संकोच का पर्दा दिमाग पर पड़ा रहता था। जीवन भी थोड़ा-बहुत अनुशासन में था। फिर शहर में आना हो गया तो मैं हम्माम में भी अण्डर गारमेंट्स पहन कर ही काफी दिनों तक नहाता रहा। एक दिन मेरे प्रिय मित्र अमोलक जी आये और मुझे अकेला पाकर बोले- 'शर्मा, हमने सुना है तुम हम्माम में भी कपड़े पहन कर नहा रहे हो?' मैंने कहा-'हां, तो क्या हो गया?' वे बोले-'हो कैसे नहीं गया। शहर में रह रहे हो तो शहर का सलीका सीखो। हम्माम में तो सब नंगे हैं और निर्वसन होकर ही नहाते हैं। भाई मेरे तक तो बात आ गई, कोई बात नहीं, लेकिन पास-पड़ोस में बात फैलेगी तो लोग तुम्हारी मजाक बनायेंगे। भाई हम्माम में अंदर हो, दरवाजा बंद है और तुमने कपड़े पहन रखे हैं। है न हास्यास्पद बात। मैं आज तुमसे कहे जा रहा हूं, कल से कपड़े उतार कर नहाना। फिर देखना तुम में कितने परिवर्तन होते हैं।' अमोलक जी की बात दिमाग में जंच गई कि यार हम्माम में कपड़ों का क्या लफड़ा? और फिर नंगई के तो अपने मजे हैं। दूसरे दिन हम्माम में गया तो डरते-डरते निर्वसन हुआ। इसके तीन-चार दिन बाद तो मैं निर्भय होकर साबुन लगा कर नहाने लगा। मुझे भी लगा कि हम्माम में कपड़े पहनना कितना असभ्य तरीका था।

इसके बाद मैं बिंदास, मुंहफट, जवाब देने वाला तथा मनोबल से सराबोर हो गया। शर्म-हया सब जाती रही। बड़े-छोटों का लिहाज तथा सभ्य तरीकों को त्याग कर मैं किसी से क्या कह देता, किसी से लड़ लेता, बेवजह घर में चीखता-चिल्लाता और इतना निर्भीक हो गया कि डिप्रेशन की जो गोली लेता था, उसकी आदत छूट गई तथा मैं बिंदासपूर्वक बेमजा बातों पर भी दांत फाडऩे लगा। पंद्रह-बीस दिन बाद अमोलक जी फिर आये और आते ही बोले-'अब बताओ कैसा महसूस कर रहे हो?' मैंने कहा-'अमोलक भाई, आपने तो गज़ब का सूत्र दिया। जीने का मजा आ गया। किसी से भय, शर्म और संकोच सब खत्म हो गया तथा आत्मविश्वास इतना आ गया है कि पड़ौसी तक डरने लगे हैं। लोग कहने लगे हैं, इससे बात मत करो वरना अभी यह नंगईपन पर उतर आयेगा तथा लेने के देने पड़ जायेंगे।' अमोलक जी खुलकर हंसने के बाद बोले-'अब थोड़ा अपना दायरा बड़ा करो। सभा-संगोष्ठियों में जाना सीखो और भाषण देना प्रारम्भ करो। फिर बताना नंगई के और कितने फायदे हुये।' यह कह कर वे फिर अन्तर्धान हो गये। मैंने अब भाषण देना प्रारम्भ किया। बेतुकी बातें करता, उस पर भी तालियां बजती और लोग खूब हंसते। इसका सीधा-सीधा फायदा यह हुआ कि लोग मुझे कार्यक्रमों में भाषण देने के लिए अब खुद बुलाने लगे। मैं कहीं अध्यक्षता करता तो कहीं मुख्य अतिथि बन जाता। इस तरह हौंसला अफजाई इतनी जबरदस्त हुई कि राजनेताओं में उठ-बैठ शुरू होने से मेरा जीवन राजनीति में रंगने और जमने लगा। अपनी पार्टी के युवा मोर्चे का मैं विद इन नो टाइम प्रदेश अध्यक्ष बन गया। पार्टी में धाक और साख जम गई।

अखबारों तथा मीडिया में मेरे वक्तव्य छपने और बोले जाने लगे। अमोलक जी यह देखकर बहुत खुश हुए और एक दिन वे फिर अपने साथ एक अन्य व्यक्ति को लेकर मेरे यहां आ गये। और आते ही बोले-'अब ठीक रहा शर्मा। अब काम की बात सुनो। ये अमुकराम जी हैं। यार इनका तबादला घर से बहुत दूर हो गया है। ये तो लो बीस हजार के नोट तथा मंत्री से कहकर इनका तबादला निरस्त कराओ।' मैंने नोट कुर्ते की जेब में रखकर कहा-'यह तो मेरे बायें हाथ का खेल है। कल की तारीख में इनका तबादला कैंसिल हो जायेगा।' वे एप्लीकेशन देकर चले गये। दूसरे दिन मैं मंत्री को बायें हाथ से एप्लीकेशन देकर बोला-'सर, ये मेरे मिलने वाले हैं। जरा चिडिया बैठा दो।' मंत्री जी ने हंसते हुए हस्ताक्षर किये और ऑर्डर निकलवा कर घर ले आया। शाम को अमोलक जी आये और बोले-'देखे नंगई के मजे। लाओ ऑर्डर, मैंने अपनी दलाली उससे ले ली है।' वे ऑर्डर लेकर चले गये और मैं खुले आम बायें हाथ से कार्य निपटाने लगा। मेरा नंगई का धंधा चल निकला। आजकल मैं एकदम खुश हूं। पूरा परिवार खुश है।

पूरन सरमा

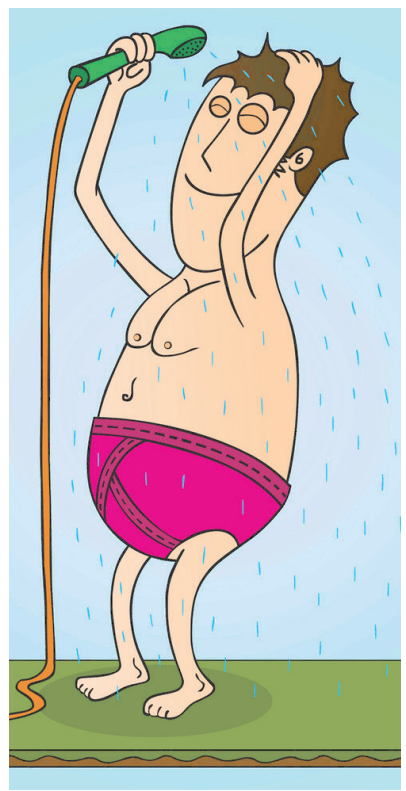

इनसाइड

दिल्ली से पुणे जा रही Vistara की फ्लाइट में बम की धमकी, सभी यात्रियों को विमान से उतारा

दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब दिल्ली से पुणे जा रही विस्तारा की एक फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी यात्रियों को फ्लाइट से उतारा गया। इसके साथ ही उनका सामान भी उतार लिया गया। विमान को खाली कराकर एयरपोर्ट पर एक किनारे उसकी जांच की जा रही है।

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब दिल्ली से पुणे जा रही विस्तारा की एक फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली।

बम की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी यात्रियों को फ्लाइट से उतारा गया। इसके साथ ही उनका सामान भी उतार लिया गया। विमान को खाली कराकर एयरपोर्ट पर एक किनारे उसकी जांच की जा रही है। फ्लाइट में बम होने की सूचना जीएमआर कॉल सेंटर पर मिली थी।

पुलिस ने दी ये बड़ी जानकारी

बम मिलने की धमकी देने के बाद रुकी फ्लाइट के बारे में पुलिस ने बताया है कि अब तक की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। हालांकि अभी पूरी जांच होनी बाकी है।

विस्तारा के यूके-971 विमान में बम की मिली थी धमकी

सिक्योरिटी एजेंसी ने जानकारी दी है कि विस्तारा का यूके-971 विमान जो दिल्ली से पुणे उड़ने को था उसमें बम होने की सूचना मिली। उस वक्त विमान में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे जिन्हें और उनके लगेज को विमान से उतार लिया गया।

टर्मिनल में ही रुके हैं यात्री

यात्री इस वक्त टर्मिनल में ही हैं और उन्हें नाश्ता आदि दिया गया है। एसओपी के अनुसार जब तक विमान को सुरक्षा एजेंसियों से क्लियरेंस नहीं मिल जाता विमान दोबारा उड़ान नहीं भर सकता। क्लियरेंस मिलते ही विमान को पुणे के लिए रवाना किया जाएगा।

चीन की बड़ी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रांडे दिवालिया हुई, पांच प्वॉइंट में जानें सबकुछ

परिवहन विशेष

कोरोना के बाद दुनिया के कई देश आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं। इनमें चीन भी शामिल है। चीन की दूसरी सबसे रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड (Evergrande) भी मंदी की चपेट में आ गया है। कंपनी ने न्यूयॉर्क में दिवालियापन के लिए आवेदन दिया है। आइए इस रिपोर्ट में इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

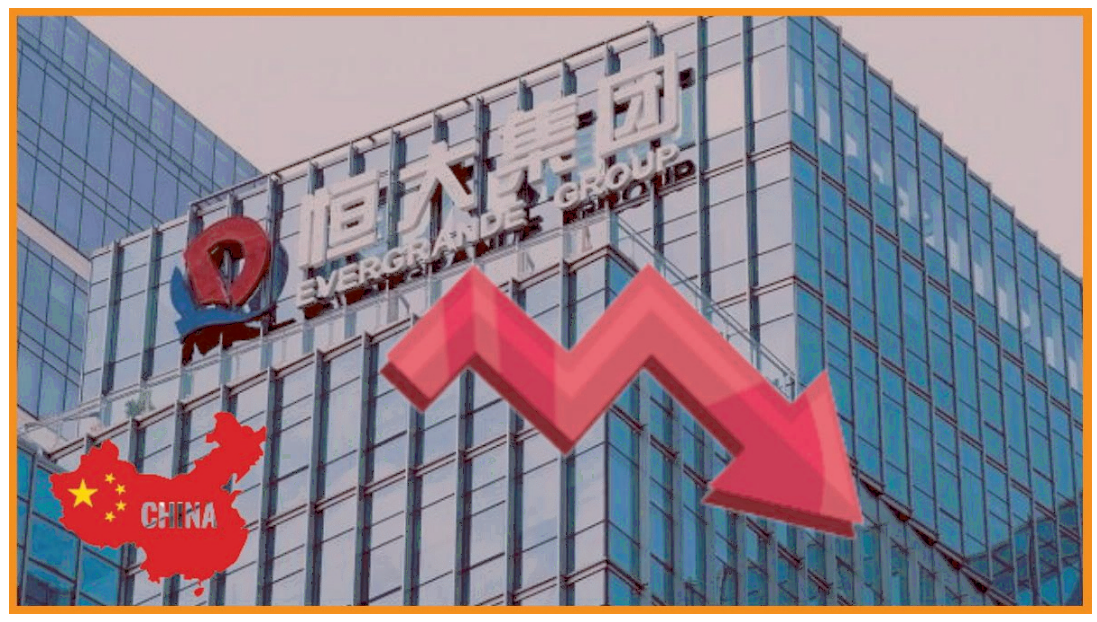

नई दिल्ली। चीन अभी आर्थिक मंदी का सामना कर रहा है। इस मंदी का असर चीन की कई कंपनी पर पड़ने लग गया है। चीन की दूसरी रियल एस्टेट कंपनी ने न्यूयॉर्क में दिवालियापर के लिए आवेदन किया है। इस से साफ पता चलता है कि अब वह कंपनी दिवालिया हो गई है।

आपको बता दें कि एवरग्रैंड (Evergrande) चीन की दूसरी रियल एस्टेट कंपनी है। यह कंपनी लोन संकट से जूझ रही है। इसके बाद कंपनी ने न्यूयॉर्क में दिवालियापन के लिए आवेदन किया है। आइए, जानते हैं कि एवरग्रैंड कंपनी किस वजह से दिवालिया जैसे संकट से जूझ रही है।

एवरग्रैंड कंपनी क्यों हुई दिवालिया

एवरग्रांड चीन की सबसे बड़ी डेवलपर कंपनी है। 2021 में कंपनी को 300 बिलियन डॉलर से ज्यादा की देनदारी देनी थी। कई अधिकारियों ने रियल एस्टेट सेक्टर पर जांच कड़ी कर दी थी। इसके तरलता संकट ने जल्द ही इसे देश के संपत्ति क्षेत्र के संकट का प्रतीक बना दिया।

चीन के प्रॉपर्टी सेक्टर में काफी उथल-पुथल है। कई आवास प्रोजेक्ट कामयाब नहीं हुए हैं। ऐसे में कई घर खरीदारों ने विरोध प्रदर्शन और बंधक बहिष्कार शुरू कर दिया है।

एवरग्रांड के दिवालिया की आशंका 2021 से हो गई थी। ऐसे में चीन की अर्थव्यवस्था भी कमजोर होने लग गई थी। न्यूयॉर्क में फाइलिंग में तियानजी होल्डिंग और सीनरी जर्नी जो कि एवरग्रांड की होल्डिंग कंपनी है। इन कंपनी ने भी अध्याय 15 यानी सुरक्षा के लिए आवेदन दिया है।

कई महीनों से एवरग्रांड एक अपतटीय लोन पुनर्गठन समझौते पर काम कर रही है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने एक प्रस्ताव भी जारी किया था। कंपनी ने सहायक कंपनी को एवरग्रांड प्रॉपर्टी सर्विसेज ग्रुप और एवरग्रांड न्यू एनर्जी व्हीकल ग्रुप को शेयर बदलने का भी ऑप्शन दिया है। साल 2021 में पहली बार कंपनी अपने बांड से चूक गई थी। वित्त साल 2021 से 2022 के जुलाई महीने में कंपनी का नेट लॉस 113 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया।

खुल गया पिरामिड टेक्नोप्लास्ट का आईपीओ, जानिए इसकी 10 मुख्य बातें

शेयर बाजार में आईपीओ का सिलसिला अभी थमा नहीं है। आज पिरामिड टेक्नोप्लास्ट का आईपीओ निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी के आईपीओ 22 अगस्त (मंगलवार) को बंद हो जाएगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 151 रुपये से 166 रुपये तय किया गया है। कंपनी का आईपीओ 30 अगस्त को शेयर बाजार में लिस्ट होंगे। आइए कंपनी के आईपीओ से जुड़ी 10 बड़ी बातें जानते हैं।

नई दिल्ली। आज पिरामिड टेक्नोप्लास्ट (Pyramid Technoplast IPO) का आईपीओ निवेशकों के लिए खोला जाएगा। यह आईपीओ 18 अगस्त से 22 अगस्त तक के लिए खोला जाएगा। आपको बता दें कि कंपनी लिमर-आधारित मोल्डेड उत्पाद (पॉलिमर ड्रम) का प्रोडक्शन करती है। पॉलिमर ड्रम का इस्तेमाल मुख्य रूप से रसायन, कृषि रसायन, विशेष रसायन और फार्मास्युटिकल फर्मों द्वारा पैकेजिंग के लिए किया जाता है। इसके अलावा कंपनी इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर (आईबीसी) और एमएस ड्रम का भी उत्पादन करती है।

जय प्रकाश अग्रवाल, पुष्पा देवी अग्रवाल, मधु अग्रवाल, बिजयकुमार अग्रवाल, यश सिंथेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड और क्रेडेंस फाइनेंशियल कंसल्टेंसी एलएलपी कंपनी के प्रमोटर हैं। पिछले साल मार्च तिमाही में कंपनी का राजस्व 480 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। वहीं, कंपनी का नेट प्रॉफिट 31.76 करोड़ रुपये था। आइए, कंपनी के आईपीओ से जुड़ी 10 बड़ी बातें जान लेते हैं।

Pyramid Technoplast IPO का प्रमुख बातें

कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 18 अगस्त को खुलेगा और 22 अगस्त को बंद हो जाएगा।

कंपनी का आईपीओ का मूल्य बैंड 10 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, प्राइस बैंड 151 रुपये से 166 रुपये के बीच का तय किया गया है।

पिरामिड टेक्नोप्लास्ट के आईपीओ का लॉट साइज 90 इक्विटी शेयर है।

बीते दिन 17 अगस्त 2023 (गुरुवार) को कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए खुला था। एंकप बुक के जरिये कंपनी ने 27.55 करोड़ रुपये जुटाया है।

कंपनी ने 91.30 करोड़ रुपये का फ्रेश आईपीओ जारी किया है। इसी के साथ ऑफर फॉर सेल के माध्यम से ऊपरी बैंड मूल्य 61.75 करोड़ रुपये है।

कंपनी इस आईपीओ से जुटाए गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी।

कंपनी के शेयर 30 अगस्त को एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी, क्या आपके शहर में महंगा हो गया

देश की सरकारी तेल कंपनियां रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के रेट्स को अपडेट करती है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर में बिक रहा है। वहीं कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 80.06 डॉलर प्रति बैरल पर है। आइए जानते हैं कि आज आपके शहर में पेट्रोल-डीजल की कीमत क्या है?

नई दिल्ली। देश की सरकारी तेल कंपनियां रोज पेट्रोल-डीजल के दाम को अपडेट करती है। आज भी गाड़ी चालक के लिए राहत की खबर है। आज पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर है। पिछले साल मई 2022 में देश भर में राष्ट्रीय तौर पर इनके दामों को बदला गया था।

आपको बता दें कि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 80.06 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 80.66 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा है।

मेट्रो सिटी में पेट्रोल-डीजल के दाम

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर

मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर

चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपये और डीजल 94.40 रुपये प्रति लीटर

अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर

पटना में पेट्रोल 108.12 रुपये और डीजल 94.86 रुपये प्रति लीटर

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद में पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर

नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम में पेट्रोल 96.93 रुपये और डीजल 89.80 रुपये प्रति लीटर

कैसे चेक करें अपने शहर के पेट्रोल-डीजल

आपको रोज इनकी कीमतों को चेक करना चाहिए। आप अपने फोन से मैसेज करके ताजा रेट्स के बारे में जान सकते हैं। अगर आप इंडियन ऑयल के ग्राहक है तो आपको अपने मोबाइल से RSP डीलर कोड लिखकर 92249 92249 पर मैसेज करना है। आप इंडियन ऑयल ऐप के जरिये भी इनके रेट्स को चेक कर सकते हैं। वहीं एचपीसीएल के ग्राहक HP PRICE डीलर कोड लिखकर 92222 01122 पर मैसेज करें।

निवेशकों के लिए कमाई का सुनहरा मौका, खुल गया Crop Life Science का IPO, जानिए प्राइस बैंड के साथ सभी डिटेल

शेयर बाजार में क्रॉप लाइफ साइंस का आईपीओ खुलेगा। यह आईपीओ 22 अगस्त को बंद होगा। यह बीएसई बीएसई एसएमई आईपीओ है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 52 रुपये प्रति शेयर है। यह आईपीओ 30 अगस्त 2023 को एक्सचेंज को लिस्ट होगा। आइए कंपनी के आईपीओ के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। क्रॉप लाइफ साइंस का आईपीओ निवेशकों के लिए खुलेगा। यह आईपीओ 18 अगस्त (शुक्रवार) से 22 अगस्त तक खुला रहेगा। इसका मतलब है कि निवेशक 22 अगस्त तक इस आईपीओ में निवेश कर सकते हैं। क्रॉप लाइफ साइंस का आईपीओ का प्राइस बैंड 52 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 10 रुपये का फेस वैल्यू रखा है। यह एक बीएसई एसएमई आईपीओ है।

कंपनी इस आईपीओ के जरिये 26.73 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इस आईपीओ में कंपनी ने 51.40 लाख फ्रेश शेयर जारी किये हैं। यह आईपीओ ऑफर फॉर सेल नहीं है।

क्रॉप लाइफ साइंस का आईपीओ

कंपनी का आईपीओ का लॉट साइज 2000 शेयरों का है। इस आईपीओ के लिए निवेशकों को लगभग 104,0000 रुपये निवेश करना होगा। कंपनी के प्रमोटर राजेश लुनगारिया और अश्विनकुमार लुनागरिया है। वहीं लीड मैनेजर इंटरएक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड है। कंपनी के रजिस्ट्रार पूर्वा शेयरजिस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड है।

कंपनी के शेयर 25 अगस्त को अलॉट होंगे। वहीं रिफंड का प्रोसेस 28 अगस्त से शुरू हो जाएगा। 29 अगस्त को निवेशकों के डी-मैट अकाउंट में शेयर जमा किये जाएंगे। इसी के साथ 30 अगस्त को कंपनी के शेयर की लिस्टिंग होगी।

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ मजबूत, 7 पैसे की बढ़त

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे की बढ़त के साथ खुला है। डॉलर 0.07 प्रतिशत बढ़कर 84.18 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.07 प्रतिशत बढ़कर 84.18 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। आज शेयर मार्केट गिरावट के साथ खुला है।

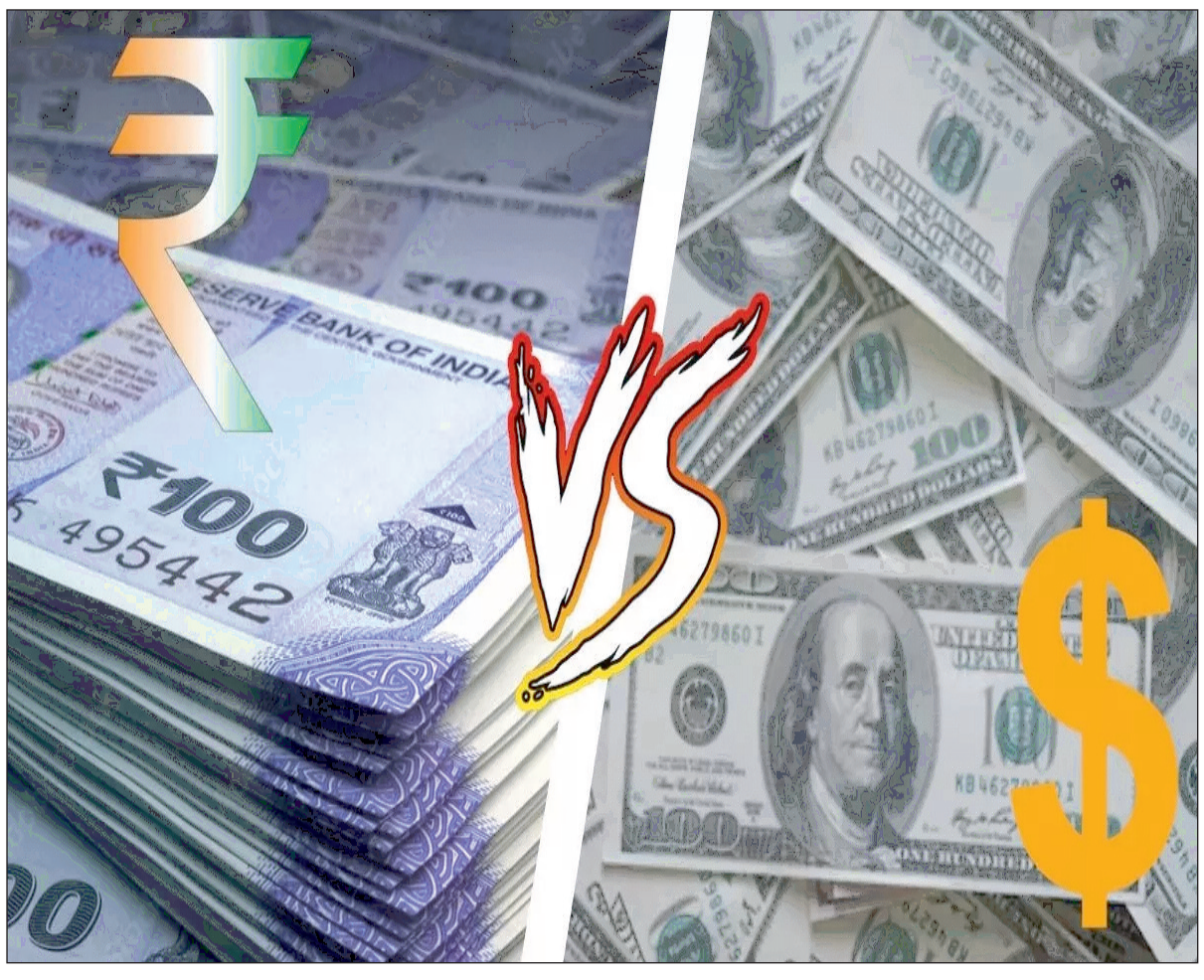

नई दिल्ली। रुपया अपने सर्वकालिक निम्न स्तर से उबर गया है। कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे बढ़कर 83.02 पर पहुंच गया क्योंकि अमेरिकी मुद्रा अपने ऊंचे स्तर से पीछे हट गई। हालांकि, विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू इक्विटी में नरम रुख, विदेशी फंड के बहिर्वाह और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का रुपया पर असर पड़ा।

रुपया हुआ मजबूत

इंटरबैंक विदेशी मुद्रा पर रुपया 83.03 पर खुली, फिर अमेरिकी मुद्रा यानी डॉलर के मुकाबले 83.02 के उच्च स्तर को छू गई, जो कि पिछले बंद के मुकाबले 7 पैसे की वृद्धि दर्ज करती है। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.09 के निचले स्तर पर भी पहुंचा। गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 1 पैसे की गिरावट के साथ अब तक के सबसे निचले स्तर 83.09 पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने और मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण रुपये के नकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ व्यापार करने की संभावना है। डॉलर इंडेक्स जो डॉलर की मजबूती को दर्शाता है। डॉलर 0.26 प्रतिशत गिरकर 103.30 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.07 प्रतिशत बढ़कर 84.18 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार

आज 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 206.61 अंक या 0.32 फीसदी की गिरावट के साथ 64,944.41 पर कारोबार कर रहा था। व्यापक एनएसई निफ्टी 67.95 अंक या 0.35 प्रतिशत गिरकर 19,297.30 पर आ गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) गुरुवार को 1,510.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

'युवाओं के लिए पैदा हुईं अधिक नौकरियां', ESIC ने जून में 20 लाख से ज्यादा नए सदस्य जोड़े

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने जून में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत 20.27 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार युवाओं के लिए अधिक नौकरियों का सृजन हुआ है। जून में जोड़े गए 20.27 लाख कर्मचारियों में से 9.77 लाख 25 साल के आयु वर्ग के हैं। यह कुल संख्या का 48.22 प्रतिशत बैठता है। इसी अवधि में 71 ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी ईएसआईसी से जुड़े हैं।

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने जून में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत 20.27 लाख नए सदस्य जोड़े हैं।

कितने नए प्रतिष्ठानों का हुआ पंजीकरण?

जून में लगभग 24,298 नए प्रतिष्ठानों का पंजीकरण हुआ और उन्हें ईएसआईसी के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया। श्रम मंत्रालय के एक बयान में गुरुवार को कहा गया कि ईएसआईसी के पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि जून 2023 में 20.27 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं।

आंकड़ों के अनुसार, युवाओं के लिए अधिक नौकरियों का पैदा हुई हैं। जून में जोड़े गए 20.27 लाख कर्मचारियों में से 9.77 लाख 25 साल के आयु वर्ग के हैं। यह कुल संख्या का 48.22 प्रतिशत बैठता है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

पेरोल डेटा के लिंग-वार विश्लेषण से पता चला कि जून में ईएसआईसी के साथ 3.87 लाख नई महिला सदस्य जुड़ी हैं। वहीं, इसी अवधि में 71 ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी ईएसआईसी से जुड़े हैं।

आम आदमी पार्टी ने शाहपुरा जिला अस्पताल के सीएमएचओ धनश्याम जी चावला का स्वागत किया

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। आम आदमी पार्टी शाहपुरा के ब्लोक ईन्चाज पुरण खटीक के नेतुत्व मे आज शाहपुरा के जिला अस्पताल मे नव नियुक्त सीएमएचओ धनश्याम जी चावला का माला पहनाकर स्वागत किया बाबा साहब की तस्वीर भेंटकर अभिनंदन किया इसमे नगर अध्यक्ष भगत राम काबरा,सर्किल ईन्चाज ओमप्रकाश गुर्जर,वरिष्ट कार्यकता अमीन कायमखानी,पुखराज जाट,शोभाराम धाकड आदि कार्यकता शामिल हुऐ।

झूलेलाल सनातन मंदिर में मासिक चंड मनाया

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। पूज्य दादा भगत हेमराज मल झूलेलाल सनातन मंदिर नाथद्वारा सराय में मासिक चण्ड बड़ी धूम धाम से मनाया गया। झूलेलाल युवा सेवा समिति अध्यक्ष कमल वेशनानी ने बताया कि मंदिर में दादा साहिब भगत गोविंद राम के सानिध्य में मासिक चण्ड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान झूलेलाल साहिब का बहराणा सजाकर,ज्योत जगाकर,भजन कीर्तन किया गया। मुख्य अतिथि श्री बाल हनुमान मंदिर बापूनगर महंत श्री द्वारका प्रसाद पारीक पंडित जी के द्वारा आरती कर पल्लव अरदास किया गया और सिंधी प्रसाद तेहरी कोयर व ठंडाई का भोग लगाया गया। इस आयोजन में भगत उद्धव दास, भगत प्रकाश, हेमन्त, भगत भगवंती, भगत सीमा, भगत सतीश मोनानी, नवीन, हीरालाल गुरनानी, विजय गुरनानी आदि कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सावन महोत्सव में दिखाई देशभक्ति की झलक

अनूप कुमार शर्मा भीलवाड़ा। जागृति महिला मण्डल के द्वारा आज एक निजी फार्म हाऊस पर देश प्रेम और सावन महोत्सव की अलग ही छटा देखने को मिली।अध्यक्ष लीला राठी के अनुसार स्वाधीनता दिवस पर सावन महोत्सव का लहरिया उस पर तिरंगे की टोपी और झंडे ने सभी का मनमोह लिया। सभी के दिलों में त्यौहार की खुशी के साथ-साथ देश भक्ति की झलक भी देखने को मिली सचिव निशा सोनी के अनुसार इस अवसर पर पश्चिमांचल अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री ममता मोदानी के सानिध्य में पूर्व सभापति मधु जाजु, प्रदेश उपाध्यक्ष संध्या आगीवाल व पूर्व नगर अध्यक्ष गायत्री मून्दड़ा के आतिथ्य में सभी के द्वारा देशभक्ति गीत अंतराक्षरी के रूप में, हाऊजी व कई तरह के गेम्स खिलाये गये। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व सभापति मंजु पोखरना ने सभी विजेताओं को पुरूस्कृत किया ।इस अवसर पर सुधा चाण्डक, अनिता सोमानी ने मंच का संचालन किया। मधु देवपुरा, सीमा बिड़ला, स्नेहलता तोषनीवाल, रंजना बिड़ला, दुर्गा राठी, भगवती गग्गड़, कल्पना माहेश्वरी, पार्वती लढ़ा, आशा बियाणी, सुनीता जाजु, सुनन्दा गेलड़ा, वन्दना, सुनीता जागेटिया, रेणु कोगटा, मधु काबरा, राजकुमारी राठी, जया राठी आदि उपस्थित थे।

बीआरओ ने शुरू किया दुनिया की सबसे ऊंची सड़क का निर्माण

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत के बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) ने दुनिया की सबसे ऊंची सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह सड़क लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में बनाई जा रही है। 'लिकरू-मिग ला-फुकचे' नामक यह रणनीतिक सड़क 19,400 फीट की ऊंचाई से होकर गुजरेगी और उमलिंग ला दर्रा को पार करते हुए दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क बन जाएगी।

एलएसी से महज तीन किलोमीटर दूर

यह सड़क वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से महज तीन किलोमीटर दूर है। सड़क निर्माण की कमान महिला इंजीनियरों की पांच सदस्यीय टीम कर्नल पोनुंग डोमिंग के नेतृत्व में संभाल रही हैं।

19,400 फीट की ऊंचाई पर बनाई जा रही यह सड़क

इस संबंध में बीआरओ से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि नई सड़क अपने उच्चतम बिंदु पर 19,400 फीट की ऊंचाई पर जाएगी। तैयार होने पर यह सड़क उमलिंग ला दर्रे को पार करते हुए दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क होगी। दुनिया की मौजूदा सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क का निर्माण भी बीआरओ ने ही किया है।

दो साल पहले बनाया खुद का रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार BRO

गौरतलब हो, दो साल पहले बीआरओ ने 19,024 फीट की ऊंचाई पर लद्दाख के उमलिंग ला में दुनिया की सबसे ऊंची मोटर योग्य सड़क का निर्माण और ब्लैकटॉपिंग करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसे वह खुद तोड़ने को तैयार है।

महिला इंजीनियरों की पांच सदस्यीय टीम बनाएगी सड़क

खास बात यह है कि लिकारू-मिग ला-फुकचे सड़क का निर्माण बीआरओ की एक महिला इकाई ने शुरू किया है। महिला इंजीनियरों की पांच सदस्यीय टीम की कमान कर्नल पोनुंग डोमिंग संभाल रही हैं, जो सड़क निर्माण की निगरानी कर रही है।

अधिकारियों ने कहा कि लिकारू-मिग ला-फुकचे सड़क का निर्माण ऐसे समय में शुरू हुआ, जब लड़ाकू अभियानों का समर्थन करने के लिए लद्दाख में न्योमा उन्नत लैंडिंग ग्राउंड को अपग्रेड किया जा रहा है। न्योमा में हवाई पट्टी को सितंबर, 2009 में पुनः सक्रिय किया गया था। यह 1962 के युद्ध के बाद दशकों तक उपयोग से

बाहर थी। इससे पूर्व भारत ने नवंबर, 2008 में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित फुकचे में एक हवाई पट्टी को फिर से सक्रिय किया था। दरअसल, 1962 के युद्ध के बाद दशकों तक इस हवाई पट्टी का भी उपयोग बंद हो गया था।

19वें दौर की कोर कमांडर स्तरीय सैन्य वार्ता के बाद शुरू हुआ सड़क निर्माण बीआरओ ने इस सड़क का निर्माण तब शुरू किया है, जब दो दिन तक चली 19वें दौर की कोर कमांडर स्तरीय सैन्य वार्ता में भारत-चीन पूर्वी लद्दाख में शेष मुद्दों को शीघ्र हल करने पर सहमत हुए हैं। ये बैठक 13 और 14 अगस्त को भारतीय सीमा पर चुशुल-मोल्डो में हुई।

दोनों देशों ने बैठक में अपने-अपने पक्ष रखे और कुछ मुद्दों पर सहमति जताई। वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान के मुताबिक बैठक में दोनों देशों ने खुले और दूरदर्शी तरीके से विचारों का आदान-प्रदान किया और शांति बनाए रखने पर जोर दिया है।

एस.सी./एस.टी. समाज के साथ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही की मांग

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। भीम आर्मी भारत एकता मिशन सहित एस.सी./एस.टी. समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा भीलवाड़ा जिले में बढ़ते एस.सी./एस.टी. के अत्याचारों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही की जाने एवं डॉ. बाबा साहेब संविधान निर्माता के खिलाफ अभद्र भाषा, अपमान व गाली-गलौच करते हुए देशद्रोह का कार्य करने, समस्त एस.सी./एस.टी. को जातिगत अपमानित करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने के सम्बन्ध में। जिलाध्यक्ष शंकर लाल मेघवंशी ने बताया कि वर्तमान समय में भीलवाड़ा जिला जो कि एस.सी./एस.टी. के प्रति अन्याय/अत्याचारों का हब बन चुका है। तथाकथित आजादी के 75 सालों बाद भी भीलवाड़ा जिले के एस.सी./एस.टी. समुदाय आजाद नहीं है, जानवरों से भी गमी गुजरी हालात पैदा करने, स्कूलो में हमारे बच्चों को जातिय प्रताड़ति करके मारा पीटा जा रहा है, हमारी जमीने छीनी जा रही है। महापुरूषों को अपमानित करते हुए जाति सूचक गाली-गलौच असामाजिक तत्वों द्वारा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ा जा रहा है। डॉ. बाबा साहेब के चित्र के झण्डे फाड़कर अपमानित करना, खुल्ले आम धमकियां देकर, घरों में घुसकर हाथ पैर तोड़ना, महिलाओं के साथ छेड़छाड़, बलात्कार जैसी घटनाऐं आम बात हो गयी है।अभी हाल ही की कुछ घटना निम्न है- (1) माण्डलगढ़ उपखण्ड के सरकारी विद्यालय में बैरवा जाति के विद्यार्थी को जातिगत अपमानित करके बुरी तरह पीटा गया, जिसे माण्डलगढ़ से जिला मुख्यालय बड़े अस्पताल में रैफर किया, अभी भी उसकी हालत गंभीर बनी है, अभियुक्त खुलेआम घुम रहे है, (2) माण्डल उपखण्ड के मेलियास में बाबा साहेब के चित्र के झण्डे को फाड़कर असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल खराब कर जातिगत प्रताड़ति करने की अभियुक्त धमकियां दे रहे है। (3) बागौर तहसील के भोजपुर ग्राम का रामप्रसाद गाडरी/नारायण गाडरी द्वारा सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करके, महापुरूषो (बाबा साहब डॉक्टर अम्बेडकर जी) को अपमानित कर रहा है। एस.सी./एस.टी. समुदाय को भीमटों, जाति सूचक शब्दों से अपमानित करते हुए गाली-गलौच करते हुऐ धमकियां दे रहा है। मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जावें। बागौर थाना के भोजपुर ग्राम के रामप्रसाद पुत्र नारायण गाडरी द्वारा महापुरूषो का अपमान, जातिगत अपमान, धार्मिक भावना भड़काने, सामाजिक सौहार्दबिगाड़ने, धमकियां देने, सोशल मीडिया का दुरूपयोग करके अशांति फैलाने, मानसिक क्षति पहुंचाने व मान-हानि के जुर्म में मुकदमा दर्ज कर तुरन्त गिरफ्तार किया जावें ज्ञापन में उक्त प्रकरणों में गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन जारी रखने एवं स्थिति को देखते हुए, हमें धरना-भूख हड़ताल, अनशन जैसे कदम उठाने की चेतावनी भी दी गई।इस दौरान ज्ञापन देने वालों में भीम आर्मी जिलाध्यक्ष शंकर मेघवंशी, बैरवा युवा जागृति संस्थान संस्थापक अध्यक्ष हीरालाल बैरवा, उम्मेद सिंह मीणा, सुभाष बैरवा, एडवोकेट संदीप चावला, श्याम कुमार वसीटा, विजयरेगर, पुखराज बैरवा, रमन बैरवा, अजय खोईवाल, लोकेश बसीटा, नीरज मल्होत्रा आदि सहित एस.सी./एस.टी. समाज के समाजजन उपस्थित थे।

"तीज का सिंजारा मनाया"

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। सखी सहेलियों संग तीज का सिंजारा वी क्लब गौरव भीलवाड़ा ने आजनिजी रिसोर्ट में सिंजारा मनाया।

अध्यक्ष अर्चना सोनी ने बताया कि सभी सहेलियों ने हंसी खुशी सिंजारा मनाने की सोची व सभी ने एक-दूसरे को मेहंदी लगाकर तीज की शुभकामनाऐं दी व आपस में मिठाई खिलाकर व नाच गाकर सिंजारा मनाया गया। सचिव निशा सोनी ने सभी को तिलक लगाकर शुभकामनाएँ दी व सभी के सुहाग की लम्बी उम्र की प्रार्थना की।कार्यक्रम में लीला राठी, मंजू बापना, नीलू वागरानी, सुमन अग्रवाल, अलका गर्ग, चित्रा बदलानी, कोमल बत्रा, शकुन्तला बोहरा, मीना अजमेरा, रितु ओझा, सुनिता चेचाणी, सपना पारख, रेखा संचेती, हेमलता लोढ़ा आदि उपस्थित थी।

भीलवाड़ा भाजपा सदस्यता अभियान 2023 का शुभारंभ किया

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भाजपा जिला संगठन भीलवाड़ा द्वारा भाजपा सदस्यता अभियान 2023 का आज विधिवत भाजपा जिला कार्यालय पर शुभारंभ किया गयाविश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र एवं सबसे बड़ी पार्टी के सदस्यता अभियान लॉन्चिंग कार्यक्रम मे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया के मुख्य आतिथ्य ,भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व में मेरा परिवार भाजपा परिवार के पोस्टर को लेकर भीलवाड़ा जिले में सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर जिला प्रमुख बरजी देवी भील, शहर विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर, सभापति राकेश पाठक, उप जिला प्रमुख एवं सदस्यता अभियान जिला संयोजक शंकर लाल गुर्जर, उपसभापति राम लाल योगी ,राजकुमार आचलिया ,भगवान सिंह चौहान, लक्ष्मी नारायण डाड, मंचासीन थे मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया की सदस्यता अभियान के शुभारंभ के अवसर पर 8140 200 200 पर सभी ने मिस्ड कॉल किया इस अवसर पर जौनपुरिया ने कहा कि 17 से 28 अगस्त तक भाजपा जोरदार सदस्यता अभियान चलाएगी जिसमें 18 से 20 तक मोर्चा द्वारा शिविर लगाकर अभियान चलाया जाएगा व सदस्यता के लिए 21 से 28 तक सदस्यता अभियान घर घर जाकर चलाया जाएगा उन्होंने इस अवसर पर राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा विगत 9 सालों से जो योजनाएं नियमित चलाई जा रही है वह राजस्थान की राज्य सरकार रेवडीया बाटकर सिर्फ चुनावी खानापूर्ति पूरी कर रही है इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मेवाड़ा ने कहा कि किसी भी पार्टी का मूल होता है वह सदस्यता, सदस्यता अभियान विधानसभा से मंडल स्तर तक एवं बूथ स्तर तक चलाया जाएगा शहरी बूथ पर 50 ,ग्रामीण बूथ पर 100 सदस्य बनाने होंगे कार्यक्रम का संचालन रितु शेखर शर्मा ने किया,अंत में सदस्यता अभियान विधानसभा संयोजक अमित सारस्वत ने आभार प्रकट किया इस अवसर पर प्रहलाद त्रिपाठी, मुरलीधर जोशी भवानी शंकर दुधनी कैलाश जीनगर ,प्रदेश पदाधिकारीगण , प्रदेश कार्यसमिति सदस्यगण , बूथ विजय संकल्प अभियान संयोजकसह संयोजक गण , चेयरमेन वाइस चेयरमैन , प्रधान उप प्रधान , मोर्चा जिलाध्यक्ष पदाधिकारीगण , मण्डल अध्यक्ष पदाधिकारीगण,प्रभारीगण , प्रकोष्ठ विभाग संयोजक सह संयोजकगण , जिला परिषद सदस्य गण , पंचायत समिति सदस्य गण, शक्ति केंद्र संयोजक ,प्रभारी , पार्षद गण , बूथ अध्यक्ष,पदाधिकारीगण, आदि उपस्थित है।

पुराना शहर माहेश्वरी महिला मंडल की सदस्याओं ने मनाया सावन के पावन महीने में लहरिया महोत्सव दांनिक संदेश

अनूप कुमार शर्मा

पुराना शहर माहेश्वरी महिला संगठन की सदस्याओं द्वारा अध्यक्ष सुमित्रा भदादा व सचिव पूनम पोरवाल के सानिध्य में आज दोपहर लहरिया महोत्सव का आयोजन रेड चिली पार्क में रखा गया है । कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई । सभी सदस्याएं लहंगा चुन्नी व रंग-बिरंगे लहरिए में सज धज कर आई। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि ने बताया कि लहरिया महोत्सव में गेम्स, रैंप वॉक , हाउजी ,समूह नृत्य ,युगल नृत्य, घूमर राउंड , मिसेज लहरिया, व सरप्राइज प्रतियोगिताएं रखी गई। जिसमें सभी सदस्याओं ने बढ़ चढ़ कर बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। लहरिया प्रतियोगिता में यह रही श्रेष्ठ निर्णायकों द्वारा मिसेस लहरिया में प्रथम स्थान नेहल राठी, द्वितीय स्थान पूर्णिमा बल्दवा, तृतीय स्थान अंकिता मरोठिया को मिला। सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार ,व युगल , समूह नृत्य प्रतियोगियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम के अंत में स्नेह भोज का आयोजन भी रखा गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा, जिला अध्यक्ष प्रीति लोहिया, जिला सचिव भारती बाहेती, रीना डाड, विनीता तोषनीवाल, चेतना जागेटिया, मीनू झंवर, कल्पना सोमानी उपस्थित थी।इस अवसर पर मंडल की प्रिया भंडारी, रश्मि कोगटा, रानू राठी, नेहा तोषनीवाल, पूजा दरक, ज्योति भदादा, उषा समदानी, संतोष तोषनीवाल, वैजयंती समदानी , अंजली झंवर, उषा पटवारी आदि सदस्याएं उपस्थित थी।

ग़म न होते तो खुशियों को कौन पूछता समरस की काव्य गोष्ठी ने जमाया रंग....

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। समरस संस्थान साहित्य सृजन भारत जिला इकाई भीलवाड़ा की काव्य संध्या संस्थान अध्यक्ष बृजसुंदर सोनी के बापू नगर आवास पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार पत्रकार श्री दयाराम मेठानी जी के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न हुयी तथा दीपप्रज्जवल के बाद कवि योगेन्द्र सक्सेना ने सरस्वती वन्दना की गोष्ठी में 22 कवि-कवियत्रियों ने भाग लिया । कवि रामबिलास नागर ने बताओ साथियो कैसे रहते है दो विरोंधी एक ही घर में, कवि चटुल ने केल और इमली के पत्ते के मेल पर कवि देवीलाल ने गुजरे हुए कवियों को श्रद्धांजलि स्वरूप रचना सुनाई रंजना चाहर ने पिया ऐसी चुनरी रंगादे म न राजस्थान घुमादे कवि महेन्द्र शर्मा ने एक कवि के दर्द पर कवि दिनेश दीवाना ने जवानी को सलाम कवि बंशी पारस ने अपना देश दुनियां के नक्शे पर कवियत्री मधु महक ने उठो द्रोपदी शस्त्र उठा लो, श्रीमती कृष्णा माहेश्वरी ने सीमा के प्रहरियों पर, राजेश मितल तथा शायर अरूण अजीब ने देशप्रेम की गजल श्रीमती शशि ने उन शहीद सपूतों को नमन करो प्रेम सोनी ने नारी और पेड़ में रिश्ते पर रचना, मुग्ध ने आरंभ है प्रचण्ड और छोटी बालिका ईवा ने पर्वत और फुलवारी पर रचनाए पढी, इसके साथ महावीर पारीक, नरेन वर्मा, चिरंजीलाल टॉक, दिव्या ओबेराय, श्याम सुंदर तिवाडी, सुरेश भाटी, योगेन्द्र सक्सेना, श्रीमती गायत्री सरगम कवि-कवियत्रियों ने समसामयिक रचनाएँ सुनाकर वाहवाही लूटी। अन्त में मुख्य अतिथि मेठानी जी ने जीवन पथ आसान नहीं है और गोष्ठी संचालन कर रहे बृज सुन्दर सोनी ने ग़म न होते तो खुशियों को कौन पूछता रचना सुना कर काव्य संध्या को ऊचाईयां प्रदानं की। दीनबन्धु खत्री, मन्जू शर्मा,सुरेश सोनी, विकास, टीना, दीपिका, मुग्ध, इवा उपस्थित रहे।

सरूप रानी राजकीय महिला महाविद्यालय, अमृतसर में तीज का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया

अमृतसर (साहिल बेरी)

मुख्य अतिथि एम एल ए प्रो बलजिंदर के अभिनंदन के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ1 समारोह में छात्राओं ने सांस्कृतिक गीत, नृत्य और पंजाब के लोकप्रिय नाच गिद्धा का भी शानदार प्रदर्शन किया1 इस दौरान झूले झूलते स्टाफ़ सदस्य व छात्राएं खूब खिलखिलाती नज़र आईं1 मेहंदी सजे हाथों ने अलग ही रंग बांध दिया1 रंग बिरंगे परिधानों, फुलकारी व टिक्के से सजे स्टाफ़ तीज का त्यौहार पूरे हर्षोल्लास से मनाते दिखाई दिए1 मुख्य अतिथि ने सभी को इस पर्व की बधाई देते हुए कहा कि हरिआली तीज का यह पर्व उमंग और खुशियों का प्रतीक है1 हम सभी को अपने देश की सांस्कृतिक विरासत के साथ जुड़ना चाहिए और अपनी संस्कृति को संभालते हुए पारंपरिक त्यौहार जोश और खुशी के साथ मनाने का महत्संदेश दिया1 प्रिंसिपल ने भी इस त्यौहार की शुभकामनाएं देते हुए हंसी खुशी सभ्याचारक बहुमुल्य खजाने का प्रहरी बने रहने को कहा।इस अवसर पर सब ने सावन महीने के मनपसंदीदा व्यजनों खीर पूड़े का भी खूब आनंद लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023